समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• मार्च २०२६ • वर्ष ७७ • अंक ०३
मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

श्री राम नवमी की हार्दिक बधाईयाँ!

श्री राम नवमी की हार्दिक बधाईयाँ!

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®

CENTURYLAMINATES®

CENTURYVENEERS®

CENTURYDOORS®

CENTURYEXTERIA®
Decorative Exterior Laminates

CENTURYPVC®

CENTURYPARTICLEBOARD®
The Eco-friendly and Economical Board

CENTURYPROWUD®
*MDF-The **wood** of the future*

zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS

SAINIK 710
WATERPROOF PLY

SAINIK LAMINATES™
BOLD & BEAUTIFUL

CENTURY PLYBOARDS (INDIA) LTD.

Century House, P-15/1, Taratala Road, Kolkata - 700 088

For any queries, SMS 'CPIL' to 56070 or call us on **1800 5722 122**

समाज विकास

◆ मार्च २०२६ ◆ वर्ष ७७ ◆ अंक ३

◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक — पृष्ठ संख्या

- **चिट्ठी आई है** — ३
- **संपादकीय :** — ४-५
  मुदऊँ आंख कतउ कुछ नाहीं
- **अध्यक्षीय :** — ६
  "सनातन पर्वो की प्रेरणा : संस्कृति, संस्कार और राष्ट्रीय एकता का संदेश"
- **सम्मेलन समाचार एवं रपट**
  स्वास्थ्य उप-समिति की बैठक — ७
  अतीत के झरोखे से — ८

विशेष **संस्कार-संस्कृति चेतना**

श्रद्धा का फूल — १७
भक्त प्रह्लाद और होलिका दहन — १८-१९
सत्य का पाठ — २०

- **प्रांतीय समाचार**
  उत्कल, पूर्वोत्तर, महाराष्ट्र, कर्नाटक, बिहार, छत्तीसगढ़, सिक्किम, झारखंड, आंध्र प्रदेश, गुजरात — ९-१९, २१-२७
- होली में उपाधियों का मुक्तहस्त वितरण — २८-२९
- **आलेख** — ३०
- नए सदस्यों का स्वागत — ३१-३४

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं संपर्क कार्यालय : ४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिए **भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ **प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा** ◆ **संपादक : शिव कुमार लोहिया**

प्रकाशित रचनाओं से संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

चिट्ठी आई है

"मनुर्भव – मनुष्य बनो" शीर्षक लेख श्री शिव कुमार जी लोहिया द्वारा लिखित, समाज विकास, फरवरी २०२६ अंक –

यह लेख मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप को पहचानने और सच्चे अर्थों में "मनुष्य" बनने का प्रेरणादायी संदेश देता है। केवल जन्म से मनुष्य होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि श्रेष्ठ विचार, उत्तम कर्म, आत्मचिंतन, संयम और कर्तव्यपालन के द्वारा ही सच्चे मनुष्यत्व की प्राप्ति होती है।

लेख में स्पष्ट किया गया है कि प्रत्येक व्यक्ति के भीतर अपार संभावनाएँ और दिव्य शक्तियाँ निहित हैं, किंतु अज्ञान, क्रोध, मोह, अहंकार और नकारात्मक प्रवृत्तियों के कारण वह अपनी वास्तविक क्षमता को पहचान नहीं पाता। वेद, उपनिषद और श्रीमद्भगवद्गीता का संदेश है कि मनुष्य विवेक, समभाव और निष्काम कर्म के माध्यम से अपने जीवन को सार्थक बनाए।

भगवान श्रीकृष्ण के उपदेशों के अनुसार मनुष्य को कर्म करने का अधिकार है, फल की चिंता नहीं करनी चाहिए। सुख-दुख, लाभ-हानि, विजय-पराजय में समभाव रखते हुए अपने कर्तव्यों का पालन करना ही योग है और यही जीवन की सच्ची सफलता है।

जीवन का उद्देश्य केवल भौतिक उपलब्धियाँ प्राप्त करना नहीं, बल्कि आत्मोन्नति, चरित्र निर्माण और समाज के कल्याण के लिए सतत प्रयास करना है। जब मनुष्य स्वयं को जान लेता है, अपने भीतर की दिव्यता को पहचान लेता है और सत्कर्मों के मार्ग पर चलता है, तभी वह सच्चे अर्थों में "मनुष्य" बनता है।

अतः हमें आत्मचिंतन, अनुशासन, नैतिकता और मानवता को अपनाकर अपने जीवन को उत्कृष्ट बनाना चाहिए तथा समाज और राष्ट्र के निर्माण में सकारात्मक योगदान देना चाहिए। यही "मनुर्भव" का वास्तविक संदेश है।

– **मनीष बाजोरिया**, सूरत

विषय: समाज के स्वास्थ्य हेतु विशेषज्ञों का अनूठा संगम - एक गौरवशाली कदम

सादर अभिवादन,

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की हालिया स्वास्थ्य उपसमिति की बैठक के सुखद परिणाम जानकर मन प्रसन्न है। यह बैठक केवल चर्चा तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसमें प्रख्यात विशेषज्ञों ने समाज के भविष्य के लिए ठोस कार्ययोजना प्रस्तुत की है।

डॉ. सुनील श्रॉफ (यूरोलॉजिस्ट) द्वारा डिजिटल माध्यमों से स्वास्थ्य संदेश पहुँचाने और डॉ. विकास अग्रवाल द्वारा नींद व स्लीप अवेयरनेस जैसे मौलिक विषयों पर जोर देना सराहनीय है। डॉ. सुमित पेरिवाल ने नई पीढ़ी को मोबाइल स्क्रीन और जंक फूड के खतरों से बचाने का जो आह्वान किया है, वह हर परिवार के लिए जरूरी है। इसके अतिरिक्त, डॉ. विलास लढ्ढा द्वारा लीलावती, मैक्स और फोर्टिस जैसे अस्पतालों के साथ चिकित्सा छूट सुनिश्चित करना एक बड़ी उपलब्धि है।

डॉ. दीपक गुप्ता और सुश्री श्वेता शर्मा के सुझावों ने स्वास्थ्य सेवाओं को किफायती और सुलभ बनाने की राह दिखाई है। चेयरमैन श्री बृजमोहन गाड़ोदिया की अध्यक्षता में आयोजित यह बैठक समाज के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

इन सभी महानुभावों और राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका जी के इस साझा प्रयास के लिए मैं पूरे समाज की ओर से आभार व्यक्त करता हूँ।

– **राजेश थरड**, मध्य प्रदेश

मुदऊँ आंख कतउ कुछ नाहीं

स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि समाज के लिए अच्छा काम करना सबसे बड़ा धर्म है। रामचरितमानस में भी गोस्वामी तुलसीदास जी ने कहा है - **परहित सरिस धर्म नहीं भाई, पर पीड़ा सम नहीं अधमई**। हमारे ऋषि मुनियों ने सृष्टि के कल्याण एवं मंगल की कामना की थी:

"ॐ सर्वेषां स्वस्तिर्भवतु,
सर्वेषां शान्तिर्भवतु,
सर्वेषां पूर्णं भवतु,
सर्वेषां मंगलं भवतु"

अर्थ: "ॐ, सभी का कल्याण हो, सभी को शांति मिले, सभी को पूर्णता प्राप्त हो, सभी का मंगल हो।"

"सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः"
अर्थः "सभी सुखी हों, सभी रोगमुक्त रहें।"

कहने का तात्पर्य है कि भारतीय चिंतन में पूरे समाज के विकास और सुस्वास्थ्य की बात कही गई है।

बदलती हुई परिस्थितियां एक नई पारिवारिक ढांचा का निर्माण कर रहा है। संयुक्त परिवार की जगह एकांकी परिवार का चलन हो रहा है। इस परिवर्तन की प्रक्रिया ने पारिवारिक संबंधों में तनाव, कलह, कुंठा, अकेलापन, अपरिचय एवं संवादहीनता ही विसंगतियों को जन्म दिया है। पिता पुत्र अपने संबंधों को एक मित्र की तरह निभा रहे हैं। एक साथ बैठकर मद्यपान करते हैं। भाई बहन आपस में हर विषय में वार्तालाप करते हैं। पति-पत्नी एक साथ रहते हुए अलग-अलग सोच एवं लक्ष्य के साथ जीवन यापन करते हैं; अपने बीच एक दूरी बनाकर रखते हैं जिसे आज 'स्पेस' की संज्ञा दी जाती है। फलस्वरुप व्यक्ति समाज एवं परिवार से स्वयं को कटा हुआ पाता है। संशय, अनिश्चितता, अजनबीपन आदि विसंगतियां उसके व्यक्तित्व पर हावी हो जाती है। विदेशी संस्कृति ने हमारे सोच को प्रभावित किया है। यातायात, संचार आदि के द्रुत विकास के कारण मानव स्वयं एक दौड़ में शामिल हो गया है - एक अंतहीन दौड़ जिसमें रफ्तार का ही महत्व रह गया है एवं दिशा गौड होते तो जा रहे हैं। जीवन में मर्यादा की जगह अर्ध अश्लीलता को स्थान मिलने लगा है। साहित्य एवं आपसी चर्चा में रोमांस, मद्यपान, समलैंगिक, विवाहेत्तर संबंधों को मान्यता प्राप्त होने लगी है। जिस भारतीय परंपरा की दुंदुभी पूरे विश्व में बजती थी, वही आज पश्चात प्रारूप ग्रहण करने लगी है। हालत यह है कि हम केवल नाम के ही भारतीय रह गए हैं। जीवन में अनैतिकता की भावना पश्चिमी सभ्यता का ही परिणाम है। नगरीकरण या पश्चिमीकरण को आधुनिकरण समझना एक भुलावा है जिसे हम स्वयं पर थोप रहे हैं। इसी कारण आज सहयोग की जगह प्रतिस्पर्धा, सरलता की जगह आडंबर, विनम्रता की जगह अहम को हम अपनाते जा रहे हैं। मनुष्य इसका खामियाजा आज अवसाद, तनाव, फरेब, संबंधों में दरार के रूप में भोग रहा है। त्रिशंकु की स्थिति से वह चाह कर भी निकल नहीं पा रहा क्योंकि समाज में वह स्थान एवं पहचान बनाने की होड़ में लगा हुआ है।

स्वस्थ व्यक्ति के रोग का समाधान उपचार औषधि से किया जाता है किंतु कभी-कभी जब रोग इतना बढ़ जाता है की शल्य चिकित्सा आवश्यक होती है, उस दशा में रोगी का औषधि से उपचार करते रहना उसकी सेवा की जगह उसको अधिक कष्ट देना सिद्ध होता है। उस दृष्टि से अगर हम देखें तो समाज में अनेक समस्याएं उभर रही है जो उसके स्वस्थ्य प्रगति और विकास में अवरोध पैदा कर रहा है। कहा जा सकता है ज्यो-ज्यो दवा की गई मर्ज बढ़ता ही गया। समाज सुधार के सही परिप्रेक्ष्य को समझना आवश्यक है। समाज सुधार एक समग्र पहल है जो विभिन्न आयामों में सामाजिक कल्याण को शामिल करती है। समाज सुधार का उद्देश्य केवल सामाजिक बुराइयों को समाप्त करना नहीं बल्कि एक समृद्ध एवं समावेशी समाज का निर्माण करना है। समाज सुधार के प्रयास के चलते समाज में जागरूकता बढ़ती है और सामाजिक संतुलन स्थापित होता है। आज समाज में अनेक समस्याएं उभर रही है, जो उसके स्वस्थ्य प्रगति और विकास में अवरोध पैदा कर रहे हैं। विडंबना यह है कि आज समस्याओं की चर्चा तो हर कोई कर लेता है पर समाधान के लिए आवश्यक दृष्टि एवं कदम उठाने के लिए हम आगे नहीं बढ़ पाते। समस्या यह नहीं है कि कुछ लोग गलत बोले जा रहे हैं। समस्या यह है कि समाज चुप है एवं ताली बजा रहा है। आज आवश्यकता इस बात की है कि सामाजिक नेतृत्व नई-नई विसंगतियां, जो समाज को रसातल में ले जा रही है उन पर हस्तक्षेप करें। इसमें कोई शक नहीं कि आज परिस्थितियां भिन्न है। पर लगातार प्रयास के आगे बाधाओं को झुकना पड़ता है। सामाजिक नेतृत्व के विषय में कहा गया है **'मुखिया मुख सो चाहिए खान पान को एक। पालै पोसै सकल अंग, तुलसी सहित विवेक'** अर्थात मुखिया की भूमिका मुख की तरह होनी चाहिए जो खाए हुए भोजन से शरीर के सभी अंगों के पोषण सुनिश्चित करें। पहले की अपेक्षा संस्थाओं की संख्या में अत्यधिक बढ़ोतरी हुई है। पर कार्यकर्ता नदारत है। सामाजिक संस्थाओं को दान देने वालों की कमी नहीं है। सभी अपने-अपने चुने हुए कार्यक्रमों में व्यस्त हैं। समाज में आईना दिखाने वाले अब नहीं रहे। आज समाज में व्यक्ति आत्म केंद्रीत सोच के कारण सामाजिकता को हासिए पर लाकर खड़ा कर दिया है। समाज का कुछ वर्ग अपनी जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ रहा है। वे कहते हैं - यह जिम्मेदारी मेरी नहीं दूसरे की है। दिनों दिन समाज में धन एवं धन का भौडा प्रदर्शन सिर्फ सामाजिक रूप से ही नही बल्कि पारिवारिक रूप से भी बढ़ रहा है। समाज में चिंतन लुप्त हो गया है। येन-केन प्रकारेण धनोपार्जन का युग है। सामाजिक विसंगतियों ऊपर से पूतना की तरह आकर्षक एवं लोभनीय दिखती है, अंदर से विषाक्त है। निरंकुश होते हुए इस स्थिति को लगाम लगाने की

बात तो दिगर, सब उसे अपनाने की होड़ में लगे हुए हैं। समाज का प्रभावी वर्ग मौन सम्मति लक्ष्मणम् को चरितार्थ कर रहा है। रामचरितमानस में ऐसी स्थिति की व्याख्या इन शब्दों में की गई है कि **"मुंदऊ आंख कतउ कुछ नाहीं"** अर्थात जब हम सब आंख बंद कर लेते हैं तब हमारे सामने कुछ भी नहीं रहता। समाज जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है उसमें हमारी मारवाडियत के अस्तित्व को ही खतरा है। कुछ उदाहरण इस प्रकार हैं :

१ समाज में मद्यपान विकट रूप ले रहा है। स्मरण रहे मद्यपान मे सब प्रकार की अस्थिरता पैदा करने की शक्ति है।
२ शादी विवाह धार्मिक आयोजन एवं परिवार के अन्य आयोजनों में आडम्बर दिखावा फिजूल खर्ची निरंकुश होता जा रहा है।
३ शादी विवाह एक इवेंट बन रहा है। तलाक के वारदात बढ़ते जा रहे हैं।
४ शादी विवाह की उम्र बढ़ती जा रही है। २८-३० वर्ष तक बिन ब्याहे तो आम बात हो रही है।
५ संतान एक पैदा करने की चलन चल पड़ी है
६ घर में आयु की नहीं आय की पूछ होती है। बड़े बुजुर्गों की अवहेलना आम बात हो गई है।
७ बच्चों के माता-पिता भी हमारे संस्कार संस्कृति से अनभिज्ञ है। नई पीढ़ी को इस विषय में कोई मदद करने की मानसिक स्थिति में नहीं है।
८ महिलाएं शिक्षित होकर अपने करियर के प्रति सजग रहती हैं।

संक्षेप में हम कह सकते हैं कि हमारी भाषा, वेशभूषा, भोजन, भजन, भ्रमण में हमारी संस्कृति की कही कोई झलक देखने नहीं मिलती। हम धीरे-धीरे ऐसी परिस्थितियों की ओर बढ़ते जा रहे हैं जहां कोई भी व्यक्ति अपने किए के लिए जिम्मेदार नहीं होगा बल्कि हम सभी किसी और के किए के लिए जिम्मेदार होंगे। परिवार की तो कोई बात ही नहीं। अब तो हम दो हमारे दो वाले परिवार भी चरमरा रहे हैं। आप परिवारों में आज की स्थिति के विषय में सोचिए।

संवादहीनता,
मोबाइल का चलन,
नैतिक मूल्यों का ह्रास,
धन की अंधी दौड़।

पहले घर छोटे थे मन बड़े थे अब घर बड़े हैं मन छोटे हैं। समाजशास्त्र कहता है कि मनुष्य को जो अतिरिक्त सुविधा/शक्तियां दी गई है वह उपभोग के लिए नहीं बल्कि जगत कल्याण के लिए धरोहर के रूप में दी गई है। ये अतिरिक्त सुविधा वासना एवं तृष्णा पूर्ति के लिए नहीं, ईश्वरीय प्रयोजन के लिए है। एक यात्री को कहीं निर्जन स्थान पर उत्कट प्यास लगी। दूर उसे पानी तो मिला - पास में एक ट्यूबवेल एवं एक तख्ती मिली, जिसमें लिखा था कि 'बाल्टी के पानी को ट्यूबवेल में डालकर चलाने से जल ट्यूबवेल में आ जाएगा। उससे अपनी प्यास बुझायें और फिर से बाल्टी को भरा छोड़कर आगे बढ़े।' व्यक्ति तख्ती में लिखा नहीं करके अगर बाल्टी के पानी को पीकर आगे बढ़ जाय तो ऐसी हालत में आने वाले सभी यात्रियों के लिए जल का स्रोत समाप्त हो जाएगा।

मर्यादा का अर्थ है किसी व्यक्ति, समाज या स्थिति के लिए निर्धारित सीमाएं, आदर्श या नियम, जिनका पालन करना समाज का मापदंड होता है। ये सीमाएं हमारे आचरण को व्यवस्थित रखते हुए जीवन को संतुलित एवं शक्तिमय रखता है। इन मर्यादाओं के कारण जीवन में नैतिक विकास, मानसिक शांति एवं मानविक संबंधों के पालन में संतुलन बना रहता है। व्यक्तिगत मर्यादा हमारे निजी जीवन में हमारे सोच, व्यवहार एवं आश्रम में अनुशासन का पालन करने के लिए लक्ष्मण रेखा है। सामाजिक मर्यादा सभ्य समाज में रहने के लिए कुछ मापदंड एवं आचार्य संहिता होते है जिसका पालन सभी को करना पड़ता है। मर्यादा में जीनेवाला व्यक्ति एवं समाज ही अपनी गरिमा एवं शांति बनाए रख सकता है।

अतएव स्वेक्षाचारी जीवन जीने वालों के लिए गीता का संदेश स्मरण करने की आवश्यकता है। हम कामनाओं एवं लोभ से ग्रसित होकर मानव जीवन के लिए बताए गए मार्ग से भटक रहे हैं। भगवान श्री कृष्ण ने गीता में कहा है कि मनुष्य अविनाशी, अप्रमेय तथा शाश्वत जीव है, जिसने भौतिक शरीर धारण किया है। उन्होंने श्लोक २/३१ में कहां है कि अपने विशिष्ट धर्म के अनुसार ही मनुष्य को कर्म करना अनिवार्य है। अगर हम अपने स्वधर्म के अनुसार कार्य संपन्न नहीं करते तो कर्तव्य की उपेक्षा करने का पाप हमें लगेगा (२/३३)। इस प्रकार समाज के नेतृत्व का यह कर्तव्य बनता है कि आज की स्थिति का संज्ञान लेते हुए आवश्यक कदम के प्रति सजग होकर एक शुरुआत करें। भगवान श्री कृष्ण ने (३/८) में कहा है कि

नियतं कुरु कर्म त्वं कर्म ज्यायो ह्यकर्मणः।
शरीरयात्रापि च ते न प्रसिद्ध्येदकर्मणः।।३.८।।

ऐसे जिस कर्म का जो अधिकारी है उसके लिये वह नियत कर्म है उस नियत अर्थात् नित्य कर्म का तू आचरण कर क्योंकि कर्मों के न करने की अपेक्षा कर्म करना परिणाम में बहुत श्रेष्ठ है।

हमारे संस्कारों में षट ऋपु का वर्णन आता है अर्थात मानव के छह शत्रु जो कि काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार और आलस्य है। आज इन बातों का महत्व धूमिल होता जा रहा है। इन दोषो को अपनाने से नकारात्मकता बढ़ती है, जिसके फल स्वरुप व्यक्तिगत जीवन, परिवार एवं समाज में विसंगतियां पैदा होती है। इन बातों का खतरा सभी समय रहता है। पर पहले एवं आज की स्थिति में बुनियादी फर्क यह हो गया है कि पहले परिवार एवं समाज में मुखिया एवं पंच रहते थे जिनकी बातों का सम्मान होता था। आज कोई किसी की बात मानने को तैयार नहीं है और नकारात्मकता के प्रभाव के कारण अंतरात्मा की आवाज भी दब गई है। गीता में भगवान ने श्लोक ५/२२ में कहा है:

ये हि संस्पर्शजा भोगा दुःख्योनय एव ते।
आद्यन्तवन्तः कौन्तेय न तेषु रमते बुधः।।२२।।

अर्थात जो इंद्रियों और विषयों के सहयोग से पैदा होने वाले भोग सुख हैं वह आदि अंत वाले और दुख के कारण है। अतः विवेकशील मनुष्य उनमें रमण नहीं करता। मनुष्य आज स्वयं को एक भौतिक प्राणी मानता है एवं ऊपर बताए गए षट दोषों में रमण कर रहा है। साथ ही वह निरंकुश एवं स्वच्छंदता वादी भी हो गया है। अतएव आज समाज की विसंगतियों पर वैचारिक एवं सामाजिक दोनों स्तर पर प्रहार करने की आवश्यकता प्रतीत हो रही है।

शिव कुमार लोहिया

"सनातन पर्वों की प्रेरणा: संस्कृति, संस्कार और राष्ट्रीय एकता का संदेश"

पवन कुमार गोयनका

प्रिय समाजबंधु एवं मातृशक्ति,

भारत की सनातन संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहाँ प्रत्येक पर्व केवल आनंद और उत्सव का अवसर नहीं होता, बल्कि वह हमें हमारे धर्म, संस्कृति और संस्कारों से जोड़ने का माध्यम भी बनता है। हमारे त्योहार हमें यह स्मरण कराते हैं कि जीवन केवल व्यक्तिगत सुख-सुविधाओं के लिए नहीं, बल्कि कर्तव्य, प्रेम, धर्म और मानवता के मूल्यों को अपनाने के लिए भी है। इसलिए मैं समाज के सभी बंधु-बांधवों से आग्रह करता हूँ कि हम सभी अपने पवित्र हिंदू त्योहारों को श्रद्धा, उत्साह और सामूहिक भावना के साथ मनाएँ तथा आने वाली पीढ़ियों को भी इनका महत्व समझाएँ।

मार्च का महीना भारतीय संस्कृति की दृष्टि से अत्यंत पावन और प्रेरणादायक होता है, क्योंकि इस समय होली, चैत्र नवरात्रि और राम नवमी जैसे महान पर्व आते हैं। ये तीनों पर्व केवल धार्मिक आस्था के प्रतीक नहीं हैं, बल्कि समाज, परिवार, बच्चों, महिलाओं, युवाओं और पूरे राष्ट्र के जीवन को सकारात्मक दिशा देने वाले उत्सव हैं।

होली का पर्व प्रेम, आनंद और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। यह त्योहार लोगों के बीच की दूरियों को मिटाकर आपसी भाईचारे और सौहार्द को बढ़ाने का संदेश देता है। जब लोग एक-दूसरे को रंग लगाकर गले मिलते हैं, तो यह केवल रंगों का खेल नहीं होता, बल्कि यह इस बात का प्रतीक होता है कि समाज में कोई ऊँच-नीच या भेदभाव नहीं होना चाहिए। परिवारों में यह पर्व खुशियाँ, हँसी और आपसी स्नेह का वातावरण बनाता है। बच्चे रंगों और उत्सव के माध्यम से परंपराओं से जुड़ते हैं, महिलाएँ परिवार और समाज में सांस्कृतिक परंपराओं को सहेजने का कार्य करती हैं और युवाओं में उत्साह, सकारात्मकता और सामाजिक सहभागिता की भावना विकसित होती है।

हमारे धर्मग्रंथ भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं–

"अद्वेष्टा सर्वभूतानां मैत्रः करुण एव च।"

अर्थात् मनुष्य को सभी प्राणियों के प्रति द्वेष रहित, मित्रवत और करुणामय होना चाहिए। होली का संदेश भी यही है कि हम अपने मन में किसी के प्रति वैर-भाव न रखें और प्रेम तथा मैत्री का मार्ग अपनाएँ।

होली का संबंध प्राचीन पौराणिक कथा से भी जुड़ा हुआ है। भगवान विष्णु के भक्त प्रह्लाद, उनके पिता हिरण्यकश्यप और उनकी बहन होलिका की कथा हमें यह सिखाती है कि अहंकार और अधर्म का अंत निश्चित है, जबकि भक्ति और सत्य की सदैव विजय होती है। होलिका दहन इसी सत्य का प्रतीक है कि जीवन में चाहे कितनी भी कठिन परिस्थितियाँ आएँ, धर्म और सत्य का मार्ग ही अंततः विजयी होता है।

होली के बाद आने वाला चैत्र नवरात्रि का पर्व शक्ति, भक्ति और आत्मशुद्धि का संदेश देता है। यह नौ दिनों का पावन पर्व व्यक्ति के जीवन में अनुशासन, संयम और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करता है। परिवारों में इन दिनों पूजा-अर्चना, भजन और साधना के माध्यम से धार्मिक वातावरण बनता है, जिससे बच्चों में संस्कार और आस्था का विकास होता है। यह पर्व विशेष रूप से नारी शक्ति के सम्मान का प्रतीक है, क्योंकि इन दिनों देवी शक्ति की आराधना की जाती है। युवाओं के लिए यह पर्व आत्मबल, संयम और आत्मविश्वास की प्रेरणा देता है तथा समाज को यह संदेश देता है कि शक्ति और धर्म के मार्ग पर चलकर ही समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाया जा सकता है।

हमारे पवित्र ग्रंथ दुर्गा सप्तशती में देवी की महिमा का वर्णन करते हुए कहा गया है–

"या देवी सर्वभूतेषु शक्ति-रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।"

अर्थात् जो देवी समस्त प्राणियों में शक्ति के रूप में स्थित हैं, उन्हें बार-बार नमस्कार है।

पौराणिक मान्यता के अनुसार देवी दुर्गा ने महिषासुर नामक असुर का वध कर धर्म और सत्य की रक्षा की थी। यह कथा केवल एक धार्मिक प्रसंग नहीं है, बल्कि यह समाज को यह संदेश देती है कि जब भी अधर्म और अन्याय बढ़ता है, तब शक्ति और धर्म का जागरण आवश्यक हो जाता है।

चैत्र नवरात्रि के पश्चात आने वाला राम नवमी का पर्व मर्यादा, धर्म और आदर्श जीवन का संदेश देता है। यह दिन भगवान राम के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है, जिनका जीवन भारतीय संस्कृति में आदर्श जीवन का सर्वोच्च उदाहरण माना जाता है। समाज और परिवार में भगवान राम का जीवन हमें कर्तव्य, प्रेम, त्याग और मर्यादा का मार्ग दिखाता है। बच्चों के लिए उनका चरित्र आदर्श आचरण का प्रेरणास्रोत है, महिलाओं के लिए माता सीता का जीवन त्याग, धैर्य और आदर्श नारीत्व का प्रतीक है, जबकि युवाओं के लिए यह पर्व सत्य, साहस और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा देता है।

राम नवमी का संबंध महान ग्रंथ रामायण से जुड़ा हुआ है, जिसमें भगवान राम के आदर्श जीवन का वर्णन मिलता है। रामायण में एक प्रसिद्ध वचन है–

"रामो विग्रहवान् धर्मः।"

अर्थात् भगवान राम स्वयं धर्म के साकार स्वरूप हैं। उनके जीवन का प्रत्येक कार्य यह सिखाता है कि कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी सत्य और धर्म का मार्ग नहीं छोड़ना चाहिए।

इन सभी पर्वों का मूल संदेश यही है कि हमारी संस्कृति केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि वह हमें जीवन के आदर्श मूल्य–प्रेम, शक्ति, मर्यादा, सत्य और कर्तव्य–को अपनाने की प्रेरणा देती है। जब समाज इन मूल्यों को अपनाता है, तब परिवार मजबूत होते हैं, युवा सही दिशा में आगे बढ़ते हैं और राष्ट्र प्रगति के मार्ग पर अग्रसर होता है।

अंत में मैं समाज के सभी बंधु-बांधवों, मातृशक्ति और युवाओं से निवेदन करता हूँ कि हम सभी होली, चैत्र नवरात्रि और राम नवमी जैसे पावन पर्वों को पूरे उत्साह, श्रद्धा और सामूहिक भावना के साथ मनाएँ। इन त्योहारों के माध्यम से प्रेम, भाईचारा, शक्ति, भक्ति और मर्यादा के संदेश को अपने जीवन में उतारें और समाज तथा राष्ट्र की उन्नति के लिए संकल्पित हों।

आप सभी को इन पावन पर्वों–होली, चैत्र नवरात्रि एवं राम नवमी–की हार्दिक शुभकामनाएँ।

जय राष्ट्र – जय सम्मेलन – जय समाज

समाज के स्वास्थ्य सुदृढ़ीकरण हेतु सार्थक पहल

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय सभागार में दिनांक ७ मार्च २०२६ को स्वास्थ्य उपसमिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता स्वास्थ्य उपसमिति के चेयरमैन श्री बृजमोहन गाड़ोदिया ने की। अपने स्वागत उद्‌बोधन में उन्होंने उपस्थित सभी महानुभावों का हार्दिक स्वागत किया। उपसमिति के संयोजक श्री अनिल मलावत ने बैठक की शुरुआत करते हुए सभी सदस्यों का परिचय कराया।

स्वास्थ्य उपसमिति के चेयरमैन श्री बृजमोहन गाड़ोदिया ने कहा कि जिस प्रकार सम्मेलन के सदस्यों हेतु कोलकाता में मणिपाल अस्पताल से एमओयू हुआ है। उसी तर्ज पर देश के अन्य अस्पतालों से भी हमें एमओयू करने का प्रयास करना चाहिए और हम कर रहे है। आगे प्रत्येक माह के तीसरे सप्ताह में एक संगोष्ठी करने पर भी विचार किया जा रहा है। हमें स्वास्थ्य परिक्षण हेतु जाँच शिविर आयोजित करने की बात कही। उन्होंने बताया की कोलकाता में स्थित मारवाड़ी अस्पताल जो १०५ साल पुरानी है वो अब १५० बेड का अस्पताल है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका जी ने सभा को सूचित किया कि डॉ. विलास लढ्ढा के माध्यम से कई अस्पतालों के साथ MOU के संबंध में बातचीत चल रही है। इसके अलावा कोलकाता स्थित 'चरनॉक ग्रुप आफ हास्पिटल' की CEO सुश्री श्वेता शर्मा के साथ जारी चर्चा भी शामिल है।

प्रख्यात यूरोलॉजिस्ट डॉ. सुनील श्रॉफ ने अस्पताल के साथ टाई-अप करने की पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह एक बहुत ही सुंदर कार्य है। उन्होंने सुझाव दिया कि समाज में मधुमेह (Sugar) और ब्लड प्रेशर की समस्याओं से राहत के लिए जागरूकता हेतु सभी सदस्यों को व्हाट्सएप के माध्यम से संदेश भेजे जा सकते हैं। उन्होंने अपनी संस्था मोहन फाउंडेशन के माध्यम से सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने सलाह दी कि हेल्थ के साथ-साथ एक्सीडेंट इंश्योरेंस लेना भी आवश्यक है। उन्होंने सदस्यों की समस्याओं हेतु टेलीकॉम-सर्विस की सहायता लेने और सम्मेलन के तहत कम खर्च में सलाह उपलब्ध कराने की बात कही। साथ ही, उन्होंने बताया कि मोहन फाउंडेशन की ११ शाखाएँ हैं और कोलकाता में भी शाखा खोलने पर विचार चल रहा है।

डॉ. विकास अग्रवाल (ईएनटी) ने नींद की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दैनिक गतिविधियों में सबसे जरूरी नींद है, जिसकी कमी से कई बीमारियाँ शुरू हो जाती हैं। उन्होंने रोड एक्सीडेंट का बड़ा कारण नींद की कमी को बताया और स्लीप अवेयरनेस (Sleep Awareness) प्रोग्राम की जरूरत पर जोर देते हुए सम्मेलन को हर संभव स्वास्थ्य मदद का आश्वासन दिया।

डॉ. दीपक गुप्ता (सर्जन) ने महाराजा अग्रसेन अस्पताल, दिल्ली के अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि जिन लोगों का इंश्योरेंस नहीं होता, उन्हें इलाज में काफी दिक्कत आती है, जिस पर हमें विचार करना चाहिए। उन्होंने शहरों में कैंप लगाकर हेल्थ चेकअप कराने का सुझाव दिया।

डॉ. सुमित पेरिवाल (शिशु विशेषज्ञ) ने बच्चों में बढ़ते टीवी स्क्रीन और मोबाइल के उपयोग को एक बड़ी समस्या बताया, जिसका बच्चों पर बुरा असर हो रहा है। उन्होंने जंक फूड की होड़ और उससे बढ़ती बीमारियों के प्रति समाज में जागरूकता लाने और ग्रुप इंश्योरेंस पर काम करने की आवश्यकता जताई।

चरनॉक ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल की निदेशक सुश्री श्वेता शर्मा ने चिंता व्यक्त की कि आज के समय में स्वास्थ्य सेवाएं बहुत महंगी हो गई हैं, अतः सम्मेलन के जो सदस्य आर्थिक रूप से सक्षम नहीं हैं, उन तक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ कैसे पहुँचाया जाए और समाज का भला किस प्रकार हो, इस पर विस्तार से चर्चा करने की आवश्यकता है। सुश्री स्वेता शर्मा ने चारनॉक अस्पताल की तीन शाखाओं के बारे में बताया और कहा कि अपने समाज में जागरूकता कार्यक्रमों की बहुत ज़रूरत है। उन्होंने सम्मेलन को सपोर्ट देने, समाज को टर्म इंश्योरेंस के प्रति जागरूक करने और समाज के कल्याण हेतु पॉडकास्ट (Podcast) शुरू करने का सुझाव दिया।

डॉ. विलास लढ्ढा ने महत्वपूर्ण जानकारी दी कि मुंबई के लीलावती अस्पताल के साथ MOU हो गया है और मैक्स तथा फोर्टिस के साथ बातचीत चल रही है, जिससे जल्द ही हेल्थ चेकअप पैकेज में डिस्काउंट मिलना शुरू हो जाएगा।

श्री राज कुमार केडिया ने भी डॉक्टरों के साथ मिलकर लोगों को जागरूक करने पर अपने विचार व्यक्त किए और राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदारनाथ गुप्ता एवं राष्ट्रीय संयुक्तमंत्री श्री पवन कुमार जालान ने भी अपने विचार सभा के साथ साक्षा किया।

अंत में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अनिल मलावत ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन दिया।

बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गिरधारी लाल गोयनका, निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री श्री पवन बसंल, पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका, श्री प्रदीप जीवराजका उपस्थित थे।

उत्तराखंड आपदा राहत एवं पुनर्निर्माण में सम्मेलन का योगदान

जून २०१३ में उत्तराखंड बाढ़ २०१३ के रूप में आई विनाशकारी प्राकृतिक आपदा ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। इस संकट की घड़ी में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ने अपनी सामाजिक प्रतिबद्धता और सेवा भावना का परिचय देते हुए त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही की।

आपदा की सूचना मिलते ही सम्मेलन ने देशभर में अपने सदस्यों एवं समाजबंधुओं से संपर्क स्थापित कर राहत कोष एवं आवश्यक राहत सामग्री एकत्रित करने का अभियान प्रारंभ किया। संकलित सहायता को उत्तराखंड स्थित अपनी प्रादेशिक इकाई--उत्तराखंड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन-के माध्यम से प्रभावित क्षेत्रों तक पहुँचाया गया। इस प्रयास के अंतर्गत खाद्य सामग्री, वस्त्र, औषधि एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं का वितरण कर हजारों पीड़ित परिवारों को तत्काल राहत प्रदान की गई।

सम्मेलन की दृष्टि केवल तात्कालिक राहत तक सीमित नहीं रही, बल्कि उसने उत्तराखंड के पुनर्निर्माण में भी अपनी सार्थक भूमिका निभाने का संकल्प लिया। इसी उद्देश्य से सम्मेलन के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. हरि प्रसाद कानोड़िया, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सीताराम शर्मा तथा नंदलाल रुँगटा सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों के सक्रिय प्रयासों से एक विशेष पुनर्निर्माण कोष की स्थापना की गई।

विस्तृत विचार-विमर्श के पश्चात यह निर्णय लिया गया कि शिक्षा के क्षेत्र में स्थायी योगदान हेतु उत्तराखंड के चमोली जिले के गोपेश्वर में स्थित सरस्वती शिशु मंदिर के भवन निर्माण में सहयोग प्रदान किया जाए। यह निर्णय समाज के भविष्य-नवपीढ़ी-के सशक्त निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।

तत्कालीन राष्ट्रीय महामंत्री ने गोपेश्वर चमोली स्थित विद्यालय का निरीक्षण किया एवं २२ अप्रैल २०१७ को ऋषिकेश में एक सहमति पत्र पर सम्मेलन की ओर से तत्कालीन राष्ट्रीय महामंत्री श्री शिव कुमार लोहिया एवं उत्तराखंड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री रंजीत जालान ने हस्ताक्षर किये।

तत्पश्चात २२ अक्टूबर २०१८ को देहरादून स्थित मुख्यमंत्री निवास में एक सादे एवं गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर इस संकल्प को साकार रूप देते हुए, सम्मेलन के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सराफ सहित अन्य राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत को विद्यालय भवन निर्माण हेतु ५५ लाख रुपये की राशि का चेक भेंट किया गया।

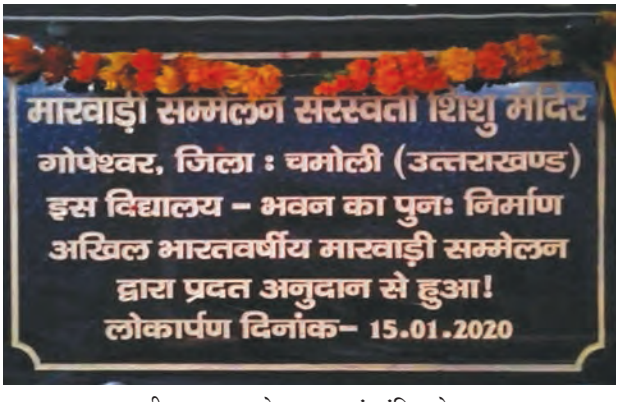

१५ जनवरी २०२० को मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर विद्यालय के नये भवन का लोकार्पण समारोह आयोजित हुआ, जिसमे सम्मेलन की ओर से प्रांतीय निवर्तमान अध्यक्ष श्री रँजीत जालान, वर्तमान प्रादेशिक अध्यक्ष श्री संतोष खेतान, महामंत्री श्री संजय जाजोदिया, निवर्तमान महामंत्री श्री रंजीत टिबड़ेवाल एवं वरिष्ठ सदस्य श्री बृज मोहन चौधरी उपस्थित थे।

आज यह विद्यालय क्षेत्र के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। गौरव का विषय है कि इस संस्थान का नाम **"मारवाड़ी सम्मेलन सरस्वती शिशु मंदिर"** रखा गया है, जो सम्मेलन के योगदान एवं समर्पण का जीवंत वाहक है।

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का १६वाँ प्रांतीय अधिवेशन

डॉ. सुभाष चंद्र अग्रवाल नए प्रांतीय अध्यक्ष

प्रांतीय अधिवेशन शिखर २०२६ के सफल एवं भव्य आयोजन हेतु आप सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ। अधिवेशन का प्रथम सत्र हमारे सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन गोयनका जी के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ, जिसमें श्री पुरुषोत्तम अग्रवाल (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं उत्कल प्रभारी), श्री अशोक जलान (पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष), श्री अमर बंसल (छत्तीसगढ़ प्रांतीय अध्यक्ष), श्री सिसराम अग्रवाल (शाखा अध्यक्ष, संबलपुर), श्री अजय शर्मा (युवा मंच प्रांतीय अध्यक्ष), संत श्रीमती रीता अग्रवाल (महिला मंडल प्रांतीय अध्यक्ष), प्रांतीय अध्यक्ष श्री दिनेश अग्रवाल, महामंत्री डॉ. सुभाष चंद्र अग्रवाल, अधिवेशन संयोजक राजकुमार पोद्दार, स्वागताध्यक्ष श्री शंभू तुलस्यान एवं अन्य गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

द्वितीय सत्र में भारत सरकार के शिक्षा मंत्री माननीय श्री धर्मेंद्र प्रधान एवं माननीय सांसद श्री प्रदीप पुरोहित (बरगढ़) की उपस्थिति में कार्यक्रम अत्यंत गरिमामय रहा। माननीय धर्मेंद्र प्रधान ने मारवाड़ी समाज की सराहना करते हुए 'भामाशाह' की उपाधि से सम्बोधन किया, वहीं माननीय प्रदीप जी ने भी समाज की प्रशंसा की।

तृतीय सत्र में प्रशासनिक अधिकारियों – श्री सिद्धार्थ जैन (ACF, अंगुल), श्रीमती सरिता गुप्ता (तहसीलदार), एवं श्री आकाश मित्तल (लेबर ऑफिसर, भुवनेश्वर) की उपस्थिति रही। सभी अधिकारियों ने समाज के बीच आकर अपने अनुभव साझा किए एवं इसे गौरवपूर्ण अवसर बताया।

चतुर्थ सत्र में महामंत्री डॉ. सुभाष चंद्र अग्रवाल द्वारा विगत दो वर्षों का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों, २५ शाखाओं एवं २२ पत्रकारों तथा १६ व्यक्तिगत को सम्मानित किया गया।

पंचम सत्र में चुनाव अधिकारी श्री श्रवण अग्रवाल, श्री विजय केडिया एवं श्री महेंद्र अग्रवाल द्वारा चुनाव परिणाम घोषित किए गए, जिसमें डॉ. सुभाष चंद्र अग्रवाल को वर्ष २०२६–२८ हेतु

संक्षिप्त परिचय

सुभाष चंद्र अग्रवाल

डॉ. सुभाष चंद्र अग्रवाल का जन्म १९ सितंबर १९६१ को ओडिशा के कालाहांडी जिले के रुपरा रोड में हुआ। आपके पिताजी स्वर्गीय श्री परमानंद अग्रवाल एवं माताजी स्वर्गीय श्रीमती तारामणि अग्रवाल थीं।

आपकी प्रारंभिक शिक्षा रुपरा रोड हाई स्कूल से हुई तथा उच्च शिक्षा Ravenshaw College से उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ (ओडिशा में चौथा स्थान) पूर्ण की। इसके पश्चात आपने Campus Law Centre University of Delhi से वर्ष १९८६ में विधि (Law) की शिक्षा प्राप्त की। इसी दौरान आपने सिविल सेवा (IAS) की तैयारी की तथा प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण की, किन्तु पारिवारिक कारणोंवश वर्ष १९८६ में पुनः अपने गृह स्थान रुपरा रोड लौटना पड़ा। आपका विवाह ०८ मई १९८९ को श्रीमती राजबाला अग्रवाल (निवासी पिथौरा) के साथ सम्पन्न हुआ, जो स्वर्गीय श्री दुलीचंद गोयल एवं स्वर्गीय श्रीमती बिमला अग्रवाल की सुपुत्री हैं। आपके परिवार में दो पुत्र एवं तीन पुत्रियाँ हैं। आपके ज्येष्ठ पुत्र श्री विकास अग्रवाल आपके साथ टैक्स प्रैक्टिस में कार्यरत हैं। आपकी सभी पुत्रियाँ उच्च शिक्षित एवं अपने-अपने क्षेत्र में स्थापित हैं। ज्येष्ठ पुत्री रेणु अग्रवाल, नोएडा में सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। द्वितीय पुत्री पूजा अग्रवाल, इलेक्ट्रिकल इंजीनियर हैं। कनिष्ठ पुत्री रायपुर में आर्ट एवं आर्किटेक्चर के क्षेत्र में कार्यरत हैं।

वर्ष २०२२ में आपने सामाजिक क्षेत्र में Maryland University USA से डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की।

इसके पश्चात आपने टैक्स प्रैक्टिशनर के रूप में अपने करियर की शुरुआत की और इस क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं। वर्तमान में आप M/s SB & Associates के नाम से अपना कार्यालय संचालित कर रहे हैं, जिसकी शाखाएँ भवानीपटना एवं केसिंगा में भी स्थापित हैं। उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के गत सत्र में आपको प्रांतीय महामंत्री के पद पर चुना गया। वर्तमान में आप उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष के पद के लिए निर्वाचित हुए।

डॉ. अग्रवाल एक सफल प्रोफेशनल होने के साथ-साथ सामाजिक एवं संगठनात्मक गतिविधियों में भी सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं तथा समाज सेवा के प्रति आपका योगदान सराहनीय है।

प्रांतीय अध्यक्ष घोषित किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने अपने आगामी दो वर्षों का विजन प्रस्तुत किया।

अधिवेशन के समापन पश्चात भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें पूरे प्रांत से लगभग १००० से अधिक प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

आयोजक शाखा संबलपुर की पूरी टीम को इस सफल आयोजन हेतु हार्दिक धन्यवाद एवं बधाई। विशेष रूप से प्रांतीय अध्यक्ष श्री दिनेश अग्रवाल के नेतृत्व एवं समर्पण की जितनी प्रशंसा की जाए, वह कम है। आप सभी के सहयोग एवं सहभागिता से यह अधिवेशन ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय बना।

अग्निकांड पीड़िता की मदद

मानवता और सेवा का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत करते हुए, भवानीपटना के एक प्रख्यात समाजसेवक श्याम सुंदर अग्रवाल ने गोलमुदन ब्लॉक के पटेल वार्ड के नकटिकानी गांव की एक बुजुर्ग महिला की सहायता के लिए हाथ बढ़ाया है। आगजनी की एक भीषण घटना में बुजुर्ग महिला का घर और घरेलू सामान जलकर खाक हो गया। श्याम सुंदर अग्रवाल घटना की सूचना मिलते ही बिना किसी देरी के नकटिकानी गांव पहुंचे। उन्होंने न केवल पीड़ित महिला को सांत्वना दी, बल्कि उन्हें इस सदमे से उबरने के लिए आवश्यक सहायता भी प्रदान की। समाजसेवक की ओर से बुजुर्ग महिला को तुरंत सोने के लिए पलंग, खाना पकाने के सभी प्रकार के बर्तन, पहनने के लिए नई साड़ियां, चप्पलें और वास्तु के अनुसार अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुएं प्रदान की गई। इस अवसर पर श्री अग्रवाल ने कहा कि किसी गरीब व्यक्ति का घर नष्ट होना बहुत दुखद है। ऐसे समय में समाज के गरीब लोगों का यह कर्तव्य है कि वे आगे आकर पीड़ितों की मदद करें। ग्रामीणों का कहना है कि श्री अग्रवाल हमेशा संकट के समय सबसे पहले पहुंचते हैं, जो उन्हें एक सच्चा जनसेवक बनाता है।

होली स्नेह मिलन आयोजित

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन बामड़ा शाखा की ओर से गोपाल इटें फैक्ट्री परिसर में होली स्नेह मिलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मारवाड़ी समाज के लोगों ने पूरे परिवार के साथ स्नेह मिलन में शामिल हुए। आयोजन में अध्यक्ष सुनील लाठ, सचिव विष्णु अग्रवाल, राज्य कार्यकारिणी सदस्य ज्योति कुमार लाठ, गोपाल अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, सुशील अग्रवाल, दिलीप अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल एवं अन्य सदस्यों ने सहयोग किया।

'डांडा रोपण' कार्यक्रम

मारवाड़ी समाज की ओर से स्थानीय सूद पड़ा स्थित कल्याण मंडप में होली के उत्सव की शुरुआत **'डांडा रोपण'** के साथ बेहद हर्षोल्लास से हुआ। पंडित विजय शर्मा बाबा द्वारा सम्पूर्ण मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन किया गया, जिसके बाद लकड़ी के डंडे (डांडा) को स्थापित किया गया। यह डांडा भक्त प्रह्लाद का प्रतीक माना जाता है। इसके रोपण के साथ ही समाज में होली के गीतों (फाग) और ढप-चंग की गूंज शुरू हो गई है।

मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय मिडिया प्रभारी पत्रकार पवन अग्रवाल, उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के शाखा अध्यक्ष संजय अग्रवाल (अन्नू) महासचिव गजानन अग्रवाल, सह सचिव अनिल मोदी, उपाध्यक्ष कन्हैया अग्रवाल पूजा में बैठे थे। समाज के अन्य सदस्यों ने भी पूजा में भाग लिया।

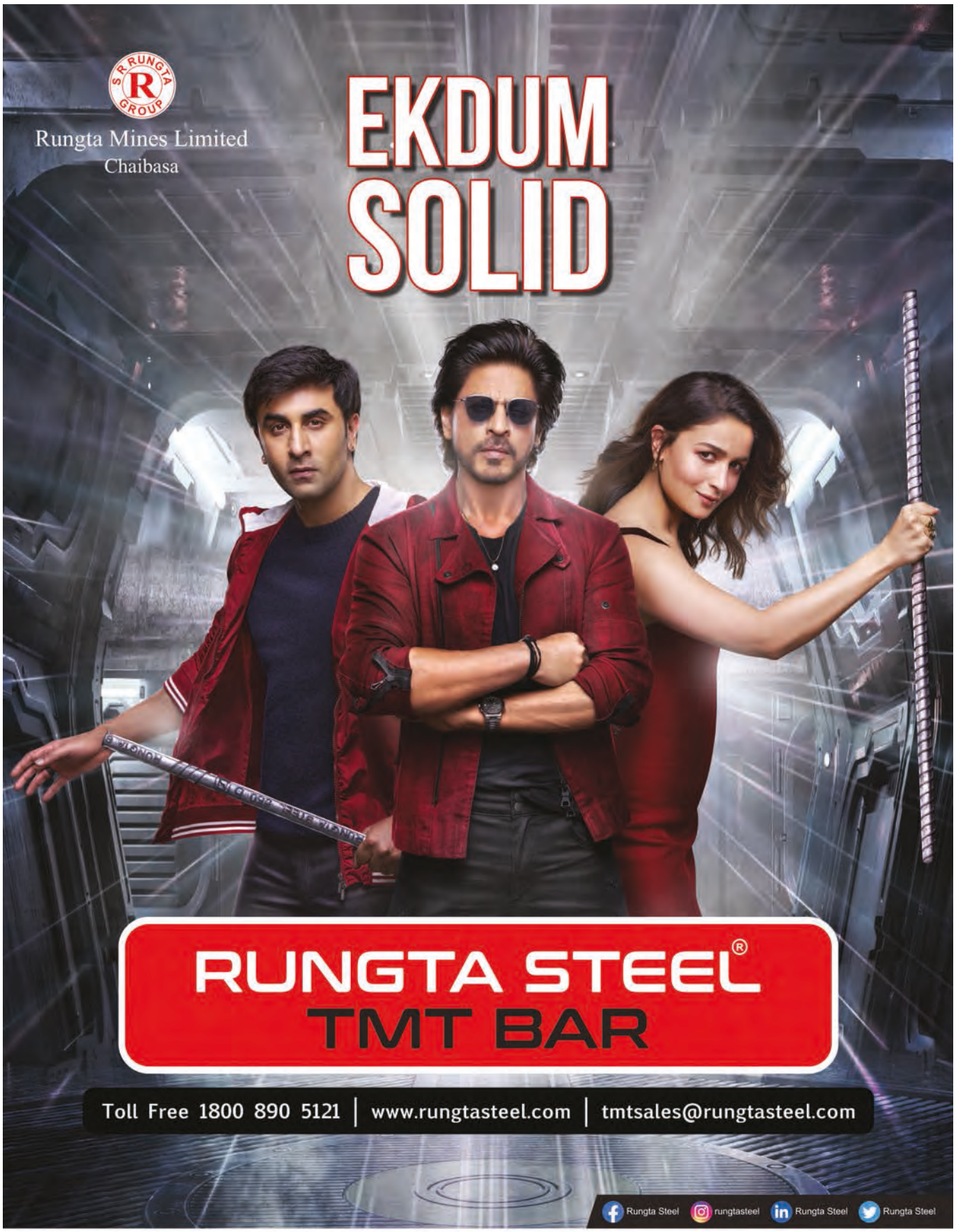

Rungta Office, Nagpur Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand-833201

IAC
SINCE 1959
ISO 9001:2015
ISO 14001:2015
ISO 45001:2018
NABL Accredited Lab
POWERING 47 COUNTRIES ACROSS THE WORLD
IAC Electricals Pvt Ltd is the one stop solution for providing innovative product and services to the electric power utility since 1959
PRODUCTS & SERVICES OFFERED:
INSULATOR HARDWARE FITTINGS UPTO 1200 kV HVAC & 800 kV HVDC
AB CABLE & OPGW FITTINGS
POLE / DISTRIBUTION LINE HARDWARE
EARTHING, STAY & TOWER ACCESSORIES
HTLS CONDUCTOR ACCESSORIES & SUB-ZERO HARDWARE FITTINGS
SUBSTATION CLAMPS & CONNECTORS
CONDUCTOR, INSULATOR & HARDWARE TESTING FACILITY
AB CABLES, COVERED CONDUCTORS AND ADSS CABLE ACCESSORIES
IAC ELECTRICALS PVT. LTD.
Chakra
BMV 60 T20
Transmission and distribution line hardwares | HTLS Conductor Testing
www.iacelectricals.com
info@iacelectricals.com
701, Central Plaza, 2/6, Sarat Bose Road, Kolkata - 700020

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर साड़ी वितरण

दिनांक: ८ मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर उत्कल प्रदेशिक मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा की ओर से श्री गोपाल गौशाला परिसर में प्रांतीय अध्यक्ष दिनेश जी अग्रवाल व प्रांतीय उपाध्यक्ष किशन लाल अग्रवाल बरगढ़ जोन के नेतृत्व में महिला शाखा अध्यक्ष श्रीमती निशा गोयल ने जरूरतमंद महिलाओं को नई साड़ी वितरण किया गया। इस अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन बरगढ़ शाखा के अध्यक्ष श्री जगदीश गोलपुरिया, श्री दिलीप सांवडीया, श्री दामोदर अग्रवाल व बरगढ़ के पूर्व विधायक श्री देवेश आचार्य प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

होली महोत्सव कार्यक्रम

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की बरगढ़ शाखा के अध्यक्ष श्री जगदीश गोलपुरिया के नेतृत्व में 'होली महोत्सव' का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में प्रांतीय अध्यक्ष श्री दिनेश अग्रवाल संग बरगढ़ शाखा के सदस्यों की अच्छी उपस्थिति रही।

महिला दिवस पर साड़ी एवं बिस्किट वितरण

साड़ी बैंक की शुरुआत

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (८ मार्च) के अवसर पर उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, महिला शाखा टिटलागढ़ द्वारा "साड़ी बैंक" पहल के अंतर्गत जरूरतमंद महिलाओं के बीच ७० साड़ियों का वितरण किया गया।

इस सेवा कार्य के माध्यम से महिला शाखा ने समाज में स्नेह, सम्मान और करुणा का संदेश देते हुए जरूरतमंद महिलाओं के साथ खुशियां साझा कीं। साड़ी वितरण के इस प्रयास का उद्देश्य महिलाओं के आत्मसम्मान को बढ़ावा देना और समाज में सहयोग व संवेदना की भावना को मजबूत करना है। इस अवसर पर सचिव श्रीमती रोनक मरोदिया एवं शाखा के अन्य सदस्यों की उपस्थिति रही।

साड़ी वितरण कार्यक्रम

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की बलांगीर शाखा द्वारा महिलाओं के सम्मान, सराहना एवं सशक्तिकरण के उद्देश्य से ३०० से अधिक साड़ियों का वितरण किया गया। यह छोटा सा प्रयास हमारे समाज में महिलाओं की शक्ति, गरिमा और उनके अमूल्य योगदान के प्रति श्रद्धा एवं सम्मान का प्रतीक है।

होली पर रंगारंग कार्यक्रम

मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा गुवाहाटी ने छत्रीबाड़ी स्थित परशुराम सेवा सदन में रंगारंग होली की धमाल कार्यक्रम का आयोजन सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कंचन पोद्दार, विशिष्ट अतिथि के रूप में ममता शर्मा, अंजू मालू ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। निर्णायक की भूमिका प्रज्ञा शर्मा, कंचन पोद्दार और विद्या कुंडलिया उपस्थित थी। कार्यक्रम में १६ श्रृंगार प्रतियोगिता और रैंप वॉक में सभी ने भाग लिया। विशेष आकर्षण महिलाओं की घूमर प्रतियोगिता थी।

कार्यक्रम की संयोजिका राजश्री कुचेरिया, कविता जोगड, ज्योति शर्मा, सिया शर्मा, प्रेमलता सिंघानिया, और अनीशा अग्रवाल थी। मंत्री मंजू भंसाली, उपाध्यक्ष रश्मि जैन, सह कोषाध्यक्ष बिंदु मोहता, शाखा सलाहकार सरोज मित्तल, कार्यकारी सदस्य अलका अग्रवाल, सुचित्रा छाजेड़ विद्या कुंडलिया, खुशबू मोर, ममता शर्मा, मधु लूनिया, पिंकी जैन ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

नवनियुक्त डीसी से भेंट

मारवाड़ी सम्मेलन, लखीमपुर शाखा एवं लखीमपुर महिला शाखा के प्रतिनिधिमंडल ने जिले के नव नियुक्त जिला उपायुक्त श्री आदित्य विक्रम यादव से उनके कार्यालय में सौजन्य भेंट की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन के साथ समन्वय एवं सामाजिक कार्यों में सहयोग को लेकर सकारात्मक चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल में मंडली उपाध्यक्ष श्री माणिक लाल दमाणी, लखीमपुर शाखा के श्री आनंद अग्रवाल एवं श्री मनोज भारद्वाज शामिल थे। वहीं मारवाड़ी महिला संगठन की ओर से श्रीमती उर्मिला दिंडोरिया एवं श्रीमती कमला हरलालका की उपस्थिति भी उल्लेखनीय रही।

होली मिलन समारोह

श्री राजस्थान विश्राम भवन लुखियर रोड, शिलांग में मारवाड़ी सम्मेलन शाखा एवं मारवाड़ी युवा मंच शिलांग के तत्वावधान में होली मिलन समारोह का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम शुभारंभ मे बिमल बजाज, महावीर सिंघानिया, पुरषोत्तम चौखानी, केशर देव शर्मा, निलम बजाज, अनिल बजाज, के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित किया गया एवं श्रीमती सरिता अग्रवाल, निलम बजाज, सुनयना गोयनका, श्री राधा पंसारी के द्वारा श्री गणेश वंदना की गई वहीं साक्षी जसरासरिया ने होली पर्व के बारे में अच्छी जानकारी मंच के माध्यम से दी। मंच पर श्रीमती रेखा काबरा वंदना गुप्ता का शानदार स्वागत अभिनन्दन किया गया।

इस अवसर पर युवा वर्ग, महिलाओं एवं बच्चों के लिए विशेष कार्यक्रम रखे गए।

एक समाज एक भावना को मध्य नजर रखते हुए श्री श्री मारवाड़ी पंचायत, श्री शिलोंग गौशाला, शिलांग अग्रवाल समिति, अखिल भारतीय खांडेल विप्र समाज, शिलांग दाधीच परिषद, श्री राजस्थानी ब्राह्मण समाज, जैन श्वेताम्बर तेरापंथ सभा, तेरापंथ महिला मंडल, मारवाड़ी महिला समिति, श्री राजस्थानी विश्राम भवन, अखिल भारतीय महिला समिति, श्री राजस्थान फाउंडेशन, तेरापंथ युवक परिषद, श्री हनुमान जयंती उत्सव समिति, श्री श्री दुर्गा पुजा समिति, जैन समाज, महिला जैन समाज कार्यकारणी सदस्यों सहित समस्त मारवाड़ी समाज ने एक छत के नीचे रहकर मिलन समारोह मनाया।

कार्यक्रम के दौरान बिमल बजाज, रामोतार बजाज, संतोष चाचान, सुशील मंगल श्याम सुंदर झिगनाडिय अशोक सिंघानिया, सुशील बंका, श्रवण गोयनका, श्ररद बांवरी, राजु माटोलिया, पवन शर्मा, आनंद चौखानी, कुंज बिहारी अजमेरा, सहित समाज के काफी गणमान्य समाज बंधु उपस्थित रहे। वहीं मारवाड़ी युवा मंच की सराहनीय भुमिका रही।

सम्मेलन के सचिव कमल झुनझुनवाला ने आने वाले हर आगंतुक का अभिनंदन किया। २० संस्थाओं के पदाधिकारियों की उपस्थिति में यह पहला कार्यक्रम हुआ है। कुंज बिहारी अजमेरा एवं महेश चाचान ने सभी को धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया।

कार्यकारिणी बैठक आयोजित

मारवाड़ी सम्मेलन, शिवसागर शाखा की कार्यकारिणी समिति की बैठक १५ मार्च को खेमका मातृ सेवा सदन में आयोजित हुई। बैठक में समाज के विकास, सामाजिक परियोजनाओं और नेत्रदान अभियान जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

शाखाध्यक्ष श्री प्रदीप खेमका ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए समाज के उत्थान में सामूहिक सहभागिता और सेवा भाव के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके बाद शाखा सचिव श्री आनंद प्रकाश केडिया ने सभा का उद्देश्य स्पष्ट किया और शाखा की अब तक की गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। बैठक के दौरान नेत्रदान अभियान पर विशेष चर्चा हुई। सभी सदस्यों की सहमति से श्री दीपक खेमका को संयोजक और अधिवक्ता श्रीमती पायल अग्रवाल को सह-संयोजक बनाकर नेत्रदान अभियान उप समिति का गठन किया गया।

साथ ही, गुवाहाटी में निर्माणाधीन प्रांतीय छात्रावास योजना के सहयोग कूपन की जिम्मेदारी शाखा कोषाध्यक्ष श्री सुनील छावछरिया को सौंपी गई। इस पुनीत कार्य की शुरुआत करते हुए श्री दीपक खेमका ने २००० रुपये का सहयोग प्रदान किया। शाखा अध्यक्ष और सचिव ने इस महत्वाकांक्षी छात्रावास निर्माण कार्य में सभी समाजबंधुओं से सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

बैठक में समाज के गौरव बढ़ाने वाले प्रतिभाशाली युवाओं को भी सम्मानित किया गया। इनमें श्री आशीष अग्रवाल को असम सरकार की ADRE परीक्षा उत्तीर्ण कर मत्स्य विभाग, जोरहाट में नियुक्ति प्राप्त करने पर, सुश्री हिमानी बजाज को ADRE परीक्षा उत्तीर्ण कर जिला महकमा परिषद के अंतर्गत दिसांग पार ब्लॉक में सचिव पद पर नियुक्ति हेतु, तथा श्री माधव बाहेती को अखिल भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट परीक्षा में सफलता प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया।

इसके अतिरिक्त शाखा की सह-सचिव अधिवक्ता पायल अग्रवाल को भी अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच, बेंगलुरु अधिवेशन में सर्वश्रेष्ठ शाखा अध्यक्ष के रूप में सम्मानित किए जाने और राष्ट्रीय तथा प्रांतीय स्तर पर कई पुरस्कार प्राप्त करने के अवसर पर विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर पूर्व शाखा अध्यक्ष श्री विजय कुमार चित्तावत, श्री रूपचंद करनानी, श्री संजय पारीक, श्री विनोद अग्रवाल, श्री गोपालकृष्ण चांडक, श्री विकास कसेरा, श्री नंदकिशोर झंवर, श्रीमती पायल अग्रवाल, श्रीमती अनीता बाहेती, श्रीमती शुति चांडक और श्री राजेश बजाज उपस्थित रहे।

शाखा की कार्यकारिणी सभा आयोजित

मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी महिला शाखा की कार्यकारिणी सभा १० फरवरी को आयोजित हुई। इस बैठक में आगामी होली कार्यक्रम और महिला दिवस कार्यक्रम को लेकर विशेष रूप से चर्चा की गई। कार्यकारिणी सभा के दौरान महिला शाखा के कार्यक्रमों की योजना, समाज सेवा एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को और अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए रणनीति पर भी विचार-विमर्श किया गया।

सभा में शाखा अध्यक्ष श्रीमती संतोष शर्मा, शाखा की सलाहकार श्रीमती सरला काबरा, श्रीमती इंदिरा जिंदल, श्रीमती वंदना सोमानी, श्रीमती शारदा केडिया, श्रीमती मंजू पाटनी, मंत्री श्रीमती मंजू भंसाली, कोषाध्यक्ष श्रीमती शांति कुंडलिया, उपाध्यक्ष श्रीमती रेशमी जैन और श्रीमती रेखा गोयल की उपस्थिति रही। इसके अलावा कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती विद्या कुंडलिया, श्रीमती राजश्री कुचेरिया, श्रीमती अलका अग्रवाल, श्रीमती खुशबू मोर, श्रीमती प्रेमलता सिंघानिया, श्रीमती अनीशा अग्रवाल, श्रीमती वीणा चौरड़िया, श्रीमती कविता जोगड़ और श्रीमती ज्योति शर्मा भी बैठक में शामिल हुई।

कार्यकारिणी सभा आयोजित

मारवाड़ी सम्मेलन, गुवाहाटी मेट्रो शाखा की द्वितीय कार्यकारिणी सभा रिहाबाड़ी स्थित विंटेज रेस्टोरेंट में आयोजित की गई। श्री जितेश जालान के संचालन में आयोजित इस सभा में शाखा अध्यक्ष श्री अमित कुमार कंसल ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत करते हुए अब तक शाखा द्वारा आयोजित सामाजिक, सांस्कृतिक और सेवा गतिविधियों की जानकारी दी। इसके पश्चात श्री जितेश जालान ने पिछली कार्यकारिणी सभा का प्रतिवेदन और सचिव रिपोर्ट सदन के समक्ष प्रस्तुत की, जिसे सदस्यों ने सर्वसम्मति से अनुमोदित किया। शाखा के कोषाध्यक्ष श्री तुषार जालान ने आय-व्यय का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करते हुए शाखा की वित्तीय स्थिति से उपस्थित सदस्यों को अवगत कराया। सभा में आगामी कार्यक्रमों पर भी विस्तृत चर्चा हुई, इस अवसर पर नए सदस्यों का शपथ-पाठ प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य श्री गौतम गोयनका द्वारा कराया गया।

सदिया शाखा का गठन

पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के **'घर-घर सम्मेलन, हर घर सम्मेलन'** अभियान के तहत सदिया शाखा का विधिवत गठन कर शपथ ग्रहण समारोह हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। इस नई शाखा में सदिया अंचल के प्रमुख नगर चापाखोवा एवं शांतिपुर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के समाजबंधुओं को शामिल किया गया है। सदिया चापाखोवा निवासी श्री पवन मोदी के निवास पर आयोजित सभा में शांतिपुर निवासी श्री गुलाब चंद अग्रवाल को सर्वसम्मति से संस्थापक अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। उनके नेतृत्व में २२ आजीवन सदस्यों के साथ नई शाखा का गठन किया गया।

इस अवसर पर प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री राजेंद्र हरलालका (बंगाईगांव), मंडलीय उपाध्यक्ष श्री प्रकाश बैद (तिनसुकिया), प्रांतीय संयुक्त मंत्री श्री बीरेन अग्रवाल (सेपोन) एवं प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य श्री दिनेश गोयल (दुमदुमा) विशेष रूप से उपस्थित रहे। नवगठित कार्यकारिणी में समाजसेवी श्री निरंजन पारिक को सचिव तथा श्री पवन मोदी को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसके अतिरिक्त श्री राजेश अग्रवाल एवं श्री पवन अग्रवाल को उपाध्यक्ष, श्री संदीप शर्मा को सह-सचिव तथा श्री उमेश अग्रवाल, श्री पवन खेतान, श्री सुभाष पारीक, श्री जयप्रकाश अग्रवाल एवं श्री कमलेश शर्मा को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई।

शिक्षा सहयोग की नई पहल

मारवाड़ी सम्मेलन की डिब्रूगढ़ महिला शाखा की मासिक बैठक में शिक्षा सहयोग की घोषणा की। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि शाखा प्रतिवर्ष दो जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा शुल्क वहन करेगी। महिला शाखा की अध्यक्ष श्रीमती सुनीता खेमानी और सचिव श्रीमती सपना बजाज ने इस पहल को बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में शाखा द्वारा एक छोटा प्रयास बताया।

बोकाखात और कृष्णाई शाखा का गठन

'घर-घर सम्मेलन, हर घर सम्मेलन' की भावना के साथ सम्मेलन की दो नई शाखाओं- बोकाखात शाखा और कृष्णाई शाखा का गठन किया गया है।

बोकाखात शाखा के गठन के दौरान १५ आजीवन सदस्यों को जोड़ा गया। इस महत्वपूर्ण कार्य में संयुक्त मंत्री श्री बिरेन अग्रवाल, मंडल 'J' के मंडलीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश भिलवाड़िया और मंडल 'J' के सहायक मंत्री श्री जयंत हरलालका के अथक प्रयास और समन्वित नेतृत्व की अहम भूमिका रही। प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री राजेन्द्र हरलालका ने इस उपलब्धि पर बोकाखात शाखा के सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई दी और कहा कि यह सफलता सम्मेलन के प्रति सभी नेताओं की अटूट आस्था और निरंतर प्रयास का परिणाम है। उन्होंने प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा एवं संपूर्ण प्रांतीय कार्यकारिणी को भी इस गौरवपूर्ण क्षण पर साधुवाद दिया।

मंडल ('J') की नौवीं शाखा के रूप में मारवाड़ी सम्मेलन, कृष्णाई शाखा के १५ आजीवन सदस्यों को शामिल किया गया है। इस अवसर पर प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री राजेन्द्र हरलालका ने मारवाड़ी सम्मेलन कृष्णाई शाखा के सभी सम्मानित आजीवन सदस्यों को हार्दिक बधाई देते हुए सम्मेलन परिवार में उनका सादर स्वागत किया।

श्री हरलालका ने कहा कि श्री अनिल जैन एवं श्री अजय धारेवा के सक्षम एवं दूरदर्शी नेतृत्व में कृष्णाई शाखा की पूरी टीम नए-नए मुकाम हासिल करेगी तथा मारवाड़ी सम्मेलन की गरिमा, उद्देश्य एवं उज्ज्वल परंपराओं को और अधिक सुदृढ़ करते हुए समाज में उनका प्रकाश दूर तक फैलाएगी।

सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

मारवाड़ी सम्मेलन की बरपेटा रोड महिला शाखा द्वारा १८ मार्च को स्थानीय जैन मंदिर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, मारवाड़ी भाषा दिवस एवं होली मिलन समारोह के अंतर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रम का उत्साह और उमंग के साथ आयोजन किया गया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में शाखा द्वारा ब्रह्माकुमारी लावण्या बहन जी, डॉ. सुमन अग्रवाल एवं श्रीमती मृदुला माहेश्वरी को सम्मानित किया गया।

द्वितीय चरण में मारवाड़ी भाषा दिवस का आयोजन किया गया, जिसका संचालन कोषाध्यक्ष श्रीमती रितु चौधरी एवं सांस्कृतिक मंत्री श्रीमती रिंकू खेमका ने किया। अंतिम चरण में होली मिलन समारोह के अंतर्गत फूलों की होली का आयोजन किया गया, जिसमें मारवाड़ी गीतों और डीजे की धुन पर सभी सदस्याएं झूम उठीं। इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष श्रीमती स्मिता धीरासरिया, सह-सचिव श्रीमती कुसुम मोर, सलाहकार श्रीमती सरला शर्मा एवं श्रीमती शशि बौथरा सहित लगभग ५० सदस्याएं उपस्थित रहीं।

श्रद्धा का फूल

एक बार किसी गांव में एक बडे संत महात्मा का अपने शिष्यो सहित आगमन हुआ। सब इस होड़ में लग गये कि क्या भेंट करें। इधर गाँव में एक गरीब जूते सिलने वाला था। उसने देखा कि उसके घर के बाहर के तालाब में बेमौसम का एक कमल खिला है।

उसकी इच्छा हुई कि, आज नगर में महात्मा आए हैं, सब लोग तो उधर ही गए हैं, आज हमारा काम चलेगा नहीं, क्यों न आज यह फूल बेचकर ही गुजारा कर लें।

वह तालाब के अंदर कीचड़ में घुस गया। कमल के फूल को लेकर आया। केले के पत्ते का दोना बनाया और उसके अंदर कमल का फूल रख दिया। पानी की कुछ बूंदें कमल पर पड़ी हुई थी और वह बहुत सुंदर दिखाई दे रहा था।

इतनी देर में एक सेठ पास आया और आते ही कहा- "क्यों फूल बेचने की इच्छा है? आज हम आपको इसके दो चांदी के रूपए दे सकते हैं।"

अब उसने सोचा कि एक-दो आने का फूल! इसके दो रूपए दिए जा रहे हैं। वह आश्चर्य में पड़ गया।

इतनी देर में नगर-सेठ आया। उसने कहा "भाई, फूल बहुत अच्छा है, यह फूल हमें दे दो हम इसके दस चांदी के सिक्के दे सकते हैं।"

मोची ने सोचा, इतना कीमती है यह फूल। नगर सेठ ने मोची को सोच मे पड़े देख कर कहा कि अगर पैसे कम हों, तो ज्यादा दिए जा सकते हैं।

गरीब आदमी ने सोचा-क्या बहुत कीमती है ये फूल?

नगर सेठ ने कहा- 'मेरी इच्छा है कि मैं महात्मा के चरणों में यह फूल रखूं। इसलिए इसकी कीमत लगाने लगा हूँ।' इतनी देर में उस राज्य का मंत्री अपने वाहन पर बैठा हुआ पास आ गया और कहता है- 'क्या बात है? कैसी भीड़ लगी हुई है?'

अब लोग कुछ बताते इससे पहले ही उसका ध्यान उस फूल की तरफ गया। उसने पूछा- 'यह फूल बेचोगे?

हम इस के सौ सिक्के दे सकते हैं। क्योंकि महात्मा आए हुए हैं। ये सिक्के तो कोई कीमत नहीं रखते।

जब हम यह फूल लेकर जाएंगे तो सारे गांव में चर्चा तो होगी कि महात्मा ने केवल मंत्री का भेंट किया हुआ ही फूल स्वीकार किया। हमारी बहुत ज्यादा चर्चा होगी। इसलिए मेरी इच्छा है कि यह फूल मैं भेंट करू।'

और थोड़ी देर के बाद राजा ने भीड़ को देखा, देखने के बाद वजीर ने पूछा कि बात क्या है? वजीर ने बताया कि फूल का सौदा चल रहा है।

राजा ने देखते ही कहा- 'इसको हमारी तरफ से एक हजार चांदी के सिक्के भेंट करना। यह फूल हम लेना चाहते हैं।'

गरीब आदमी ने कहा- 'लोगे तो तभी जब हम बेचेंगे। हम बेचना ही नहीं चाहते। तब राजा ने कहा कि बेचोगे क्यों नहीं?'

उसने कहा कि जब महात्मा के चरणों में सब कुछ-न-कुछ भेंट करने के लिए पहुँच रहे हैं तो ये फूल इस गरीब की तरफ से आज उनके चरणों में भेंट होगा।

राजा बोला- 'देख लो, एक हजार चांदी के सिक्कों से तुम्हारी पीढ़ियां तर सकती हैं।'

गरीब आदमी ने कहा- 'मैंने तो आज तक राजाओं की सम्पत्ति से किसी को तरते नहीं देखा लेकिन महान पुरुषों के आशीर्वाद से तो लोगों को जरूर तरते देखा है।'

राजा मुस्कुराया और कह उठा- 'तेरी बात में दम है। तेरी मर्जी, तू ही भेंट कर ले।'

अब राजा तो उस उद्यान में चला गया जहाँ महात्मा ठहरे हुए थे और बहुत जल्दी चर्चा महात्मा के कानों तक भी पहुँच गई, कि आज कोई आदमी फूल लेकर आ रहा है। जिसकी कीमत बहुत लगी है। वह गरीब आदमी है इसलिए फूल बेचने निकला था जिससे कि उसका गुजारा होता।

जैसे ही वह गरीब आदमी फूल लेकर पहुँचा तो शिष्यों ने महात्मा से कहा कि वह व्यक्ति आ गया है।

लोग एकदम सामने से हट गए। महात्मा ने उसकी तरफ देखा। वह गरीब आदमी फूल लेकर जैसे पहुँचा तो उसकी आंखों से आंसू बहने लगे। कुछ बूंदे तो पानी की कमल पर पहले से ही थी और कुछ उसके आंसुओं के रूप में ठिठक गई कमल पर।

रोते हुए उसने कहा- 'सब ने बहुत-बहुत कीमती चीजें आपके चरणों में भेंट की होंगी, लेकिन इस गरीब के पास यह कमल का फूल और जन्म-जन्मान्तरों के पाप, जो पाप मैंने किए हैं आँसुओ के रूप मे आंखों में भरे पड़े हैं। उनको आज आपके चरणों में चढ़ाने आया हूं। मेरा ये फूल और मेरे ये आँसू स्वीकार करें।

महात्मा के चरणों में फूल रख दिया और घुटनों के बल बैठ गया। संत महात्मा ने अपने शिष्य आनन्द को बुलाया और कहा, 'देख रहे हो आनन्द! हजारों साल में भी कोई राजा इतना नहीं कमा पाया जितना इस गरीब इन्सान ने आज एक पल में ही कमा लिया।'

इसका समर्पण श्रेष्ठ हो गया। इसने अपने मन का भाव दे दिया।

एकमात्र ये मन का भाव ही है जिससे हम ईश्वर की कृपा प्राप्त कर सकते हैं उसकी कृपा के आगे और कुछ भी अहमियत नहीं रखता।

भक्त प्रहलाद और होलिका दहन

होलिका दहन पर विशेष

विष्णु पुराण में भक्त प्रह्लाद की कथा का उल्लेख है। प्रह्लाद भगवान विष्णु के अनन्य भक्तों में से एक थे। सनकादि ऋषियों के श्राप के कारण भगवान विष्णु के पार्षद जय एवं विजय को दैत्ययोनि में जन्म लेना पड़ा था।।

महर्षि कश्यप की पत्नी दक्षपुत्री दिति के गर्भ से दो महान पराक्रमी बालकों का जन्म हुआ। इनमें से बड़े का नाम हिरण्यकशिपु और छोटे का नाम हिरण्याक्ष था। दोनों भाइयों में बड़ी प्रीति थी। दोनों ही महाबलशाली, अमित पराक्रमी और आत्मबल संपन्न थे। दोनों भाइयों ने युद्ध में देवताओं को पराजित करके स्वर्ग पर अधिकार कर लिया।

एक समय जब हिरण्याक्ष ने पृथ्वी को रसातल में ले जाकर छिपा दिया तब भगवान विष्णु ने वराह अवतार लेकर पृथ्वी की रक्षा के लिए हिरण्याक्ष का वध किया। अपने प्रिय भाई हिरण्याक्ष के वध से दुःखी होकर हिरण्यकशिपु ने दैत्यों को प्रजा पर अत्याचार करने की आज्ञा देकर स्वयं महेन्द्राचल पर्वत पर चला गया।

वह भगवान विष्णु द्वारा अपने भाई की हत्या का बदला लेने के लिए ब्रह्मा जी की घोर तपस्या करने लगा। इधर दैत्यों के राज्य को राजाविहीन देखकर देवताओं ने उन पर आक्रमण कर दिया। दैत्यगण इस युद्ध में पराजित हुए और पाताल लोक को भाग गए। देवराज इन्द्र ने हिरण्यकशिपु के महल में प्रवेश करके उसकी पत्नी कयाधु को बंदी बना लिया। उस समय कयाधु गर्भवती थी, इसलिए इन्द्र उसे साथ लेकर अमरावती की ओर जाने लगे। रास्ते में उनकी देवर्षि नारद से भेंट हो गयी। नारद जी ने पुछा- 'देवराज! इसे कहाँ ले जा रहे हो?'

इन्द्र ने कहा- 'देवर्षे! इसके गर्भ में हिरण्यकशिपु का अंश हैं, उसे मार कर इसे छोड़ दूंगा।' यह सुनकर नारदजी ने कहा- 'देवराज! इसके गर्भ में बहुत बड़ा भगवद्भक्त है, जिसे मारना तुम्हारी शक्ति के बाहर हैं, अतः इसे छोड़ दो।' नारदजी के कथन का मान रखते हुए इन्द्र ने कयाधु को छोड़ दिया और अमरावती चले गए। नारदजी कयाधु को अपने आश्रम पर ले आये और उससे बोले- 'बेटी! तुम यहाँ आराम से रहो, जब तक तुम्हारा पति अपनी तपस्या पूरी करके नहीं लौटता।'

कयाधु उस पवित्र आश्रम में नारदजी के सुन्दर प्रवचनों का लाभ लेती हुई सुखपूर्वक रहने लगी, जिसका गर्भ में पल रहे शिशु पर भी गहरा प्रभाव पड़ा। समय होने पर कयाधु ने एक पुत्र को जन्म दिया जिसका नाम प्रह्लाद रखा गया। इधर हिरण्यकशिपु की तपस्या पूरी हुई और वह ब्रह्माजी से मनचाहा वरदान लेकर वापस अपनी राजधानी चला आया। कुछ समय के बाद कयाधु भी प्रह्लाद को लेकर नारदजी के आश्रम से राजमहल में आ गयी।

जब प्रह्लाद कुछ बड़े हुए तब हिरण्यकशिपु ने उनके शिक्षा की व्यवस्था की। प्रह्लाद गुरु के सान्निध्य में शिक्षा ग्रहण करने लगे। एक दिन हिरण्यकशिपु अपने मंत्रियों के साथ सभा में बैठा हुआ था। उसी समय प्रह्लाद अपने गुरु के साथ वहाँ गए।

प्रह्लाद को प्रणाम करते देखकर हिरण्यकशिपु ने उसे अपनी गोद में बिठाकर दुलार किया और कहा- 'वत्स! तुमने अब तक अध्ययन में निरंतर तत्पर रहकर जो कुछ सीखा हैं, उसमें से कुछ अच्छी बात सुनाओ।' तब प्रह्लाद बोले- 'पिताजी! मैंने अब तक जो कुछ सीखा हैं उसका सारांश आपको सुनाता हूँ। जो आदि, मध्य और अंत से रहित, अजन्मा, वृद्धि-क्षय से शुन्य और अच्युत हैं, समस्त कारणों के कारण तथा जगत के स्थिति और अन्तकर्ता उन श्रीहरि को मैं प्रणाम करता हूँ।'

यह सुनकर दैत्यराज हिरण्यकशिपु के नेत्र क्रोध से लाल हो उठे, उसने कांपते हुए होठों से प्रह्लाद के गुरु से कहा- 'अरे दुर्बुद्धि ब्रह्मण! यह क्या? तूने मेरी अवज्ञा करके इस बालक को मेरे परम शत्रु की स्तुति से युक्त शिक्षा कैसे दी?' गुरूजी ने कहा- 'दैत्यराज! आपको क्रोध के वशीभूत नहीं होना चाहिए। आपका पुत्र मेरी सिखाई हुई बात नहीं कह रहा हैं।'

हिरण्यकशिपु बोला- 'बेटा प्रह्लाद! बताओ तुमको यह शिक्षा किसने दी हैं? तुम्हारे गुरूजी कहते हैं कि मैंने तो इसे ऐसा उपदेश दिया ही नहीं हैं।' प्रह्लाद बोले- 'पिताजी! हृदय में स्थित भगवान विष्णु ही तो सम्पूर्ण जगत के उपदेशक हैं। उनको छोड़कर और कौन किसी को कुछ सीखा सकता हैं।'

हिरण्यकशिपु बोला- 'अरे मुर्ख! जिस विष्णु का तू निश्शंक होकर स्तुति कर रहा हैं, वह मेरे सामने कौन हैं? मेरे रहते हुए और कौन परमेश्वर कहा जा सकता हैं? फिर भी तू मौत के मुख में जाने की इच्छा से बार-बार ऐसा बक रहा हैं।'

ऐसा कहकर हिरण्यकशिपु ने प्रह्लाद को अनेकों प्रकार से समझाया पर प्रह्लाद के मन से श्रीहरि के प्रति भक्ति और श्रद्धाभाव को कम नहीं कर पाया। तब अत्यंत क्रोधित होकर हिरण्यकशिपु ने अपने सेवकों से कहा-

'अरे! यह बड़ा दुरात्मा हैं। इसको मार डालो। अब इसके जीने से कोई लाभ नहीं हैं, क्योंकि यह शत्रुप्रेमी तो अपने कुल का ही नाश करने वाला हो गया हैं।' हिरण्यकशिपु की आज्ञा पाकर उसके सैनिकों ने प्रह्लाद को अनेकों प्रकार से मारने की चेष्टा की पर उनके सभी प्रयास श्रीहरि की कृपा से असफल हो जाते थे।

उन सैनिकों ने प्रह्लाद पर अनेक प्रकार के अस्त्र शस्त्रों से आघात किये पर प्रह्लाद को कुछ नही हुआ। उन्होंने प्रह्लाद के हाथ-पैर बाँधकर समुद्र में डाल दिया, पर प्रह्लाद फिर भी बच गए। उन सबने प्रह्लाद को अनेकों विषैले साँपों से डसवाया और पर्वत शिखर से गिराया पर भगवद् कृपा से प्रह्लाद को कुछ भी नहीं हुआ। रसोइयों के द्वारा विष मिला हुआ भोजन देने पर प्रह्लाद उसे भी पचा गए।

जब प्रह्लाद को मारने के सब प्रकार के प्रयास विफल हो गए तब हिरण्यकशिपु के पुरोहितों ने अग्निशिखा के समान प्रज्ज्वलित शरीर वाली कृत्या उत्पन्न कर दी।

उस अति भयंकरी कृत्या ने अपने पैरों से पृथ्वी को कम्पित करते हुए वहाँ प्रकट होकर बड़े क्रोध से प्रह्लाद जी की छाती में त्रिशूल से प्रहार किया। पर उस बालक के छाती में लगते ही वह तेजोमय त्रिशूल टूटकर निचे गिर पड़ा। उन पापी पुरोहितों ने उस निष्पाप बालक पर कृत्या का प्रयोग किया था। इसलिए कृत्या ने तुरंत ही उन पुरोहितों पर वार किया और स्वयं भी नष्ट हो गई।

अन्य प्रचलित कथाओं के अनुसार कृत्या के स्थान पर होलिका का नाम आता हैं जिसे अग्नि में न जलने का वरदान प्राप्त था। होलिका प्रह्लाद को अपनी गोद में लेकर प्रज्ज्वलित अग्नि में प्रवेश कर गयी पर ईश्वर की कृपा से प्रह्लाद को कुछ भी नहीं हुआ और होलिका जल कर भस्म हो गई।

हिरण्यकशिपु के दूतों ने उसे जब यह समाचार सुनाया तो वह अत्यंत क्षुब्ध हुआ और उसने प्रह्लाद को अपनी सभा में बुलवाया। हिरण्यकशिपु ने प्रह्लाद से कहा- 'रे दुष्ट! जिसके बल पर तू ऐसी बहकी-बहकी बातें करता हैं, तेरा वह ईश्वर कहाँ हैं? वह यदि सर्वत्र हैं तो मुझे इस खम्बे में क्यों नहीं दिखाई देता?' तब प्रह्लाद ने कहा- 'मुझे तो वे प्रभु खम्बे में भी दिखाई दे रहे हैं।'

यह सुनकर हिरण्यकशिपु क्रोध के मारे स्वयं को संभाल नहीं सका और हाथ में तलवार लेकर सिंघासन से कूद पड़ा और बड़े जोर से उस खम्बे में एक घूँसा मारा। उसी समय उस खम्बे से बड़ा भयंकर शब्द हुआ और उस खम्बे को तोड़कर एक विचित्र प्राणी बाहर निकलने लगा जिसका आधा शरीर सिंह का और आधा शरीर मनुष्य का था।

यह भगवान श्रीहरि का नृसिंह अवतार था। उनका रूप बड़ा भयंकर था। उनकी तपाये हुए सोने के समान पीली पीली आँखें थीं, उनकी दाढ़ी बड़ी विकराल थीं और वे भयंकर शब्दों से गर्जन कर रहे थे। उनके निकट जाने का साहस किसी में नहीं हो रहा था। यह देखकर हिरण्यकशिपु सिंघनाद करता हुआ हाथ में गदा लेकर नृसिंह भगवान पर टूट पड़ा।

तब भगवान भी हिरण्यकशिपु के साथ कुछ देर तक युद्ध लीला करते रहे और अंत में उसे झपटकर दबोच लिया और उसे सभा के दरवाजे पर ले जाकर अपनी जांघों पर गिरा लिया और खेल ही खेल में अपनी नखों से उसके कलेजे को फाड़कर उसे पृथ्वी पर पटक दिया।

फिर वहाँ उपस्थित अन्य असुरों और दैत्यों को खदेड़ खदेड़ कर मार डाला। उनका क्रोध बढ़ता ही जा रहा था। वे हिरण्यकशिपु की ऊँची सिंघासन पर विराजमान हो गए। उनकी क्रोधपूर्ण मुखाकृति को देखकर किसी को भी उनके निकट जाकर उनको प्रसन्न करने का साहस नहीं हो रहा था।

हिरण्यकशिपु की मृत्यु का समाचार सुनकर उस सभा में ब्रह्मा, इन्द्र, शंकर, सभी देवगण, ऋषि-मुनि, सिद्ध, नाग, गन्धर्व आदि पहुँचे और थोड़ी दूरी पर स्थित होकर सभी ने अंजलि बाँध कर भगवान की अलग-अलग से स्तुति की पर भगवान नृसिंह का क्रोध शांत नहीं हुआ।

तब देवताओं ने माता लक्ष्मी को उनके निकट भेजा पर भगवान के उग्र रूप को देखकर वे भी भयभीत हो गयीं। तब ब्रह्मा जी ने प्रह्लाद से कहा- 'बेटा! तुम्हारे पिता पर ही तो भगवान क्रुद्ध हुए थे, अब तुम्ही जाकर उनको शांत करो।'

तब प्रह्लाद भगवान के समीप जाकर हाथ जोड़कर साष्टांग भूमि पर लौट गए और उनकी स्तुति करने लगे। बालक प्रह्लाद को अपने चरणों में पड़ा देखकर भगवान दयार्द्र हो गए और उसे उठाकर गोद में बिठा लिया और प्रेमपूर्वक बोले-

'वत्स प्रह्लाद! तुम्हारे जैसे एकांतप्रेमी भक्त को यद्यपि किसी वस्तु की अभिलाषा नहीं रहती पर फिर भी तुम केवल एक मन्वन्तर तक मेरी प्रसन्नता के लिए इस लोक में दैत्याधिपति के समस्त भोग स्वीकार कर लो।

भोग के द्वारा पुण्यकर्मो के फल और निष्काम पुण्यकर्मों के द्वारा पाप का नाश करते हुए समय पर शरीर का त्याग करके समस्त बंधनों से मुक्त होकर तुम मेरे पास आ जाओगे। देवलोक में भी लोग तुम्हारी विशुद्ध कीर्ति का गान करेंगे।' यह कहकर भगवान नृसिंह वहीं अंतर्ध्यान हो गए।

विष्णु पुराण में पराशर जी कहते हैं- 'भक्त प्रह्लाद की कहानी को जो मनुष्य सुनता है उसके पाप शीघ्र ही नष्ट हो जाते हैं। पूर्णिमा, अमावस्या, अष्टमी और द्वादशी को इसे पढ़ने से मनुष्य को गोदान का फल मिलता हैं। जिस प्रकार भगवान ने प्रह्लाद जी की सभी आपत्तियों से रक्षा की थी उसी प्रकार वे सर्वदा उसकी भी रक्षा करते हैं जो उनका चरित्र सुनता हैं।'

सत्य का पाठ!

महाभारत में कथा है कि - द्रोण ने सोचा था कि इन सारे पांडवों और कौरवों में युधिष्ठिर सबसे ज्यादा बुद्धिमान मालूम होता है।

लेकिन थोड़े दिनों के बाद उन्हें अनुभव से लगा कि यह तो बिलकुल बुद्धू है। दूसरे बच्चे तो आगे जाने लगे, नया-नया पाठ रोज सीखने लगे और युधिष्ठिर पहले पाठ पर ही रुका रहा।

आखिर द्रोण की सीमा-क्षमता भी समाप्त हो गई।

द्रोण ने पूछा- तुम आगे कब बढ़ोगे कि पहले ही पाठ पर रुके रहोगे?

लेकिन युधिष्ठिर ने कहा- जब तक पहला पाठ समझ में न आ जाए, तब तक दूसरे पाठ पर जाने से सार भी क्या है?

पहला पाठ था सत्य के संबंध में। दूसरे बच्चों ने याद कर लिया, पढ़ लिया, आगे बढ़ गए।

लेकिन युधिष्ठिर ने कहा कि मैं जब तक सत्य बोलने ही न लगूं, तब तक दूसरे पाठ पर जाऊं कैसे? और आप जल्दी मत करें। तब द्रोण को समझ में आया।

खुद युधिष्ठिर की इस मनोदशा को देख कर द्रोण को पहली दफा समझ में आया कि सत्य के आगे और पाठ हो भी क्या सकता है!

तब उन्होंने कहा- तू जल्दी मत कर। तू पहला पाठ ही पूरा कर ले तो सब पाठ पूरे हो गए। फिर दूसरा पाठ और है कहां?

अगर सत्य बोलना ही आ गया, सत्य होना आ गया, तो फिर और पाठ की कोई जरूरत नहीं है। लेकिन पाठ अगर सिर्फ पढ़ने हों, तब एक बात है; पाठ अगर जीने हों, तो बिलकुल दूसरी बात है।

अंत में महाभारत में कथा है कि जब सारे भाई स्वर्गारोहण के लिए गए, तो एक-एक गिरने लगा, पिघलने लगा, गलने लगा; स्वर्ग के मार्ग पर धीरे-धीरे एक-एक गिरने लगा, द्वार तक सिर्फ युधिष्ठिर पहुँचे और उनका कुत्ता पहुँचा।

सत्य पहुँचा; और सत्य का जिसने गहरा सत्संग किया था, वह पहुँचा। वह कुत्ता था उनका। वह सदा उनके साथ रहा था। उसकी निष्ठा अपार थी।

भाइयों की भी निष्ठा इतनी अपार न थी। भाई भी रास्ते में गल गए, कुत्ता न गला। उसकी श्रद्धा अनन्य थी। उसने कभी संदेह किया ही न था। उसने युधिष्ठिर के इशारे को ही अपना जीवन समझा था।

युधिष्ठिर भी चकित हुए कि भाइयों का भी साथ छूट गया, वे भी गिर गए मार्ग पर, स्वर्ग के द्वार तक न आ सके- आ सका एक कुत्ता!

द्वार खुला, युधिष्ठिर का स्वागत हुआ, लेकिन द्वारपाल ने कहा, कृपया आप ही भीतर आ सकते हैं, कुत्ता न आ सकेगा। कुत्ता कभी इसके पहले स्वर्ग में प्रवेश भी नहीं पाया। आदमी ही मुश्किल से पाते हैं।

तो युधिष्ठिर ने कहा, फिर मैं भीतर न आ सकूंगा; जिस कुत्ते ने मेरा इतने दूर तक साथ दिया, जहां मेरे भाई भी मेरे साथी न हो सके, संगी न हो सके; जिसकी श्रद्धा ऐसी अनन्य है; जो मेरे साथ इतने दूर आया, उसका साथ मैं न छोड़ सकूँगा; अन्यथा मैं कुत्ते से भी गया-बीता हुआ। जिसने मेरा साथ दिया, उसका साथ मैं दूंगा, द्वार तुम बंद कर लो।

तब सारा स्वर्ग हंसने लगा; भीड़ इकट्ठी हो गई देवताओं की और उन्होंने कहा, आप भीतर आएं। और तब गौर से देखा युधिष्ठिर ने, तो कुत्ता न था, स्वयं विष्णु थे! वह परीक्षा थी।

वह परीक्षा थी, अगर युधिष्ठिर उस समय कुत्ते को भूल जाते और भीतर प्रवेश कर देते तो स्वर्ग चूक जाता। वह परीक्षा थी- प्रेम की, श्रद्धा की, अनन्य भाव की।

एक ही पाठ युधिष्ठिर ने सीखा- सत्य। उतना काफी हुआ; उतना स्वर्ग तक ले जा सका।

अर्जुन को सीखने में बड़ी देर लगी। पूरी गीता कृष्ण ने कही, तो भी संदेह उठते चले गए। युधिष्ठिर ने सिर्फ एक पाठ सीखा जीवन में, वह छोटा सा पाठ था सत्य का।

गुरु तक को शक हुआ कि यह थोड़ा मंद बुद्धि मालूम होता है, पहले ही पाठ पर अटका है। लेकिन फिर समझ में आया कि पहले पाठ के आगे और पाठ कहां हैं!

जिसने एक पाठ भी सीख लिया, उसने सब सीख लिया। तुम सीखने की ज्यादा दौड़ में मत पड़ना, उसमें तुम वंचित हो जाओगे।

किंचित भी–जरा सा भी बोध परमात्मा का आ गया, परमात्मा का गीत थोड़ा सा भी सुनाई पड़ गया, एक कड़ी भी कान में पड़ गई, एक शब्द भी हृदय तक उतर गया, तो वही बीज बन जाएगा - फूटेगा, वृक्ष बनेगा, तुम अनंत सुगंध से भर जाओगे। एक बीज में सब कुछ छिपा है।

पंडित कोरे के कोरे रह जाते हैं- गीता कंठस्थ हो जाती है, गीत सुनाई नहीं पड़ता; शब्दों से मस्तिष्क भर जाता है।

हृदय भीगता नहीं; दोहरा सकते हैं गीता को, आंख में एक आंसू नहीं उतरता; प्राण में कोई स्वर नहीं बजता; पैर में कोई थिरक नहीं आती; पत्थर की तरह, मुर्दे की भांति, यंत्र की भांति दोहरा देते हैं; भीतर सब अछूता ही रह जाता है; रेखा भी नहीं पड़ती, छाया भी नहीं

INTRODUCING

manipal hospitals
LIFE'S ON

Comprehensive Cancer Care Centre

200-bed Manipal Comprehensive Cancer Care Centre, EM Bypass is one of the most advanced Cancer Care units today. The hospital is equipped with a comprehensive cancer treatment facility and provides latest cutting-edge technology along with a team of Senior Onco-Specialists.

Our Specialities:

- Organ specific Onco-Surgeons for Head & Neck, Urology, Gynaecology, Breast, Orthopaedic, GI & Thoracic, and Reconstructive Surgery
- Senior Specialists for Medical Oncology, Clinical Hematology, Hemato Oncology & Bone Marrow Transplant (BMT), Radiation Oncology, Paediatric Cancer, Nuclear Medicine
- Robotic & Advanced Microsurgery by latest version Da Vinci X Surgical Robot
- Radiation Oncology by latest TrueBeam Technology
- Advanced Onco Pathology Lab with molecular diagnosis facility

City's most Dedicated Team with Unparalleled Skill

Da Vinci X Surgical Robot

THE BRAIN OF A HUMAN AND THE HANDS OF A MACHINE

Robotic Surgeries at Manipal Hospitals offer the quickest way to heal

Manipal Hospital EM Bypass: 127 Mukundapur, E.M. Bypass, Kolkata, West Bengal 700099

www.manipalhospitals.com | 033 **6680 0000**

GAMCO
LET'S GROW
(Golden Goenka Group)

BUILDING A UNIQUE PORTFOLIO OF ASSETS

Creating sustainable value for all stakeholders

- Multi-Asset Investments
- Capital Market Investments
- Real Estate
- Warehousuing
- Structured Finaring & Secured Lending
- Investments in Emerging Companies

At Gamco, our vision is to stay successful through strategic multi-asset investments and sustainable value creation.
Our distinctive asset curation strategy makes us unique among listed companies.

GAMCO LIMITED

25A S.P. Mukherjee Road, Kolkata-700025
Phone: 03324750073
Email: gamcoltd@gamco.co.in
Website: www.gamco.co.in

स्वस्थ जीवनशैली पर संगोष्ठी आयोजित

मारवाड़ी सम्मेलन, गुवाहाटी शाखा के तत्वावधान में १५ मार्च को शाखा कार्यालय (श्रद्धांजलि कॉम्प्लेक्स) में 'स्वस्थ जीवनशैली' विषय पर एक महत्वपूर्ण संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी एवं गणमान्य सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए श्री शंकर बिड़ला ने आधुनिक जीवनशैली और स्वास्थ्य के बीच संबंध पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज का व्यस्त दिनचर्या में लोग भौतिक सुख-सुविधाओं में पीछे भागते हुए अपने स्वास्थ्य की उपेक्षा कर रहे हैं। मुख्य वक्ता श्रीमती श्वेता जैन ने अपने व्याख्यान में संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और तनावमुक्त जीवन के व्यावहारिक उपाय साझा किए। उन्होंने बताया कि रसोई में उपयोग होने वाले मसाले और सही खान-पान की आदतें भी स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

कार्यक्रम में समाज के अनेक प्रमुख व्यक्तियों की उपस्थिति रही, जिनमें श्री भगवान दास दमानी (अध्यक्ष, असम मारवाड़ी सेवा ट्रस्ट), श्री प्रेमचंद खजांची (सचिव, जैन श्वेतांबर मंदिर मार्गी), श्रीमती मंजु पाटनी (सलाहकार, मारवाड़ी महिला शाखा), श्रीमती फूलमाला पाट नी (पूर्व अध्यक्ष, पूर्वोत्तर प्रादेशिक दिगंबर जैन महिला संगठन) सहित मारवाड़ी सम्मेलन के कोषाध्यक्ष श्री नरेंद्र सोनी, सह-सचिव श्री मनोज चांडक, निवर्तमान सचिव श्री अशोक सेठिया तथा कार्यकारिणी सदस्य श्री महेंद्र नहार, श्री प्रदीप पाटनी, श्री राजेश भजनका एवं श्री विनोद कुमार जिंदल उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संयोजक श्री जितेंद्र कुमार जैन के मार्गदर्शन में किया गया।

श्री दिनेश व श्री किशन बने मंडलीय उपाध्यक्ष

पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के **'हर घर सम्मेलन, घर-घर सम्मेलन'** के नारे को चरितार्थ करते हुए असम में संगठन का विस्तार हो रहा है। प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा के नेतृत्व में तथा प्रांतीय एवं मंडलीय पदाधिकारियों के सतत प्रयास से नई शाखाओं का गठन किया जा रहा है तथा निष्क्रिय शाखाओं को सक्रिय किया जा रहा है।

शाखाओं के सुचारू संचालन, मार्गदर्शन हेतु मंडलों का विस्तार करते हुए दो नए मंडल 'J' और 'K' का गठन किया गया। प्रांतीय नेतृत्व ने मंडल-J का मंडलीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश भिलवाड़िया को और मंडलीय सहायक सचिव श्री जयंत हरलालका को बनाया है तथा मंडल-K का मंडलीय उपाध्यक्ष श्री किशन लाल नाहटा को बनाया गया है। प्रांतीय सम्मेलन एवं अन्य शाखाओं के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

सदस्य क्यों बने?

देश के सभी भागों से सम्पर्क स्थापना।

रोजगार सहायता, व्यापार सहयोग, स्वास्थ्य सहयोग, उच्च शिक्षा सहयोग कार्यक्रम का लाभ।

समाज सुधार, संस्कार संस्कृति चेतना कार्यक्रम से जुड़ना।

मायड़ भाषा के प्रचार-प्रसार में भागीदारी।

सामाजिक सुरक्षा, भाईचारा की भावना का विकास।

समाज में विभिन्न घटकों को एकजुट होकर **म्हारी चाह - संगठित समाज** के नारे को सार्थक करना।

व्यक्ति विकास-व्यक्ति चला जाता है उसकदा व्यक्तित्व रह जाता हैं।

समाज विकास में अवदान के अवसर।

राष्ट्र की उन्नति में भागीदारी।

सदस्य कैसे बने?

१. देश के २४ प्रांतो की प्रांतीय सम्मेलनों से सम्पर्क करें।

२. सदस्यता आवेदन प्रांतीय या राष्ट्रीय कार्यालय सदस्यता शुल्क के साथ भेंजे।

३. अधिक जानकारी के लिए www.marwarisammelan.com को देखें एवं सदस्यता आवेदन पत्र डाउनलोड करें।

४. राष्ट्रीय कार्यालय के संपर्क सूत्र पते –

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन, ४बी, डकबैक हाउस (चौथा तल), ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता-७०००१७ या व्हाट्सएप नं.- ८६९७३१७५५७ एवं ई-मेल- aimf1935@gmail.com पर संपर्क करे।

"संस्कृति, संस्कार और संगठन का सशक्त संकल्प"

सम्मेलन की पहचान - संस्कार एवं संस्कृति
सम्मेलन का दायरा - सर्वसमाज एवं संस्थान
सम्मेलन का संकल्प - एक मजबूत संगठन
सम्मेलन के लक्ष्य - समाज सुधार एवं राष्ट्र निर्माण
सम्मेलन के हितेषी - समाज के ज्ञानी और दानी
सम्मेलन की ताकत - मातृशक्ति, युवाशक्ति एवं समाज बंधू
सम्मेलन के स्तभ - संगठन, शिक्षा, सहयोग एवं सम्मान
सम्मेलन के प्रयास - संस्कार-संस्कृति एवं मायड़ भाषा का प्रचार-प्रसार
सम्मेलन का प्रारब्ध - पुरखों और संस्कृति का सम्मान
सम्मेलन की चाह - संगठित समाज
सम्मेलन का सपना - पुरे विश्व में मान

श्री पवन कुमार गोयनका
राष्ट्रीय अध्यक्ष, अ.भा.मा.स.

प्रांतीय समाचार : महाराष्ट्र

नगरसेवकों का सम्मान

महाराष्ट्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन एवं मारवाड़ी युवा मंच, अकोला शाखा के संयुक्त तत्वावधान में महानगर के मारवाड़ी समाज के नवनियुक्त स्वीकृत नगरसेवकों का सम्मान किया गया।

महाराष्ट्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष निकेश गुप्ता के मार्गदर्शन में जिलाध्यक्ष ब्रिजमोहन चितलांगे, शहराध्यक्ष एड. सुरेश अग्रवाल (गुरुजी), महामंत्री श्याम शर्मा तथा मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय उपाध्यक्ष रोहित रूंगटा, जिलाध्यक्ष भूषण अग्रवाल व सचिव निर्मल समदड़िया ने अकोला महानगरपालिका के मारवाड़ी समाज के नवनियुक्त स्वीकृत नगरसेवक सुनील इन्नानी एवं सौ. चंदादेवी शर्मा के निवास स्थान पर भेंट कर शाल, श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ देकर उनका सम्मान किया तथा आगे के कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर सुनील इन्नानी एवं सौ. चंदादेवी शर्मा ने समाजहित एवं शहर के सर्वांगीण विकास के लिए सहयोग करने तथा महानगर की लंबित नागरिक समस्याओं के समाधान हेतु ईमानदारी से प्रयास करने का संकल्प व्यक्त किया।

इस अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन के जयप्रकाश चांडक, अश्विन कटारिया, संतोष छाजेड, रोहित केडिया, कुंजीलाल सुनारीवाल, निलेश अग्रवाल, श्रीकांत गोयनका, हरीश खंडेलवाल, प्रदीप रांदड़, निलेश मेहता तथा मारवाड़ी युवा मंच के नमन खंडेलवाल, सर्वेश अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, सुमित वर्मा, अभिजीत गोयनका सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

प्रांतीय समाचार : कर्नाटक

नारी प्रेम, संस्कार, धैर्य और प्रेरणा की पहचान

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन महिला परिधि, कर्नाटक बेंगलूरु की सदस्यों ने मिलकर इस विशेष दिन को उत्साह और सौहार्द के साथ मनाया। इस अवसर पर माया अग्रवाल, अध्यक्ष शालिनी अग्रवाल, लता चौधरी, सचिव मंजू अग्रवाल, पारुल अग्रवाल, पूजा मदन अग्रवाल, आशा मित्तल, जया चौधरी एवं मुस्कान अग्रवाल उपस्थित थी। ऐसी ही एकता, भेद और प्रेरणा के साथ हम सब मिलकर सलाहकार नारी शक्ति का सम्मान करते है।

शाखा समाचार : सीतामढ़ी, बिहार

संक्षिप्त रपट

१९ जनवरी २०२६ को सीतामढ़ी शाखा में नव निर्वाचित अध्यक्ष श्री जर्नादन प्रसाद भरतिया ने पदभार ग्रहण कर नई कार्यकारिणी गठन किया जिसमें शाखा सचिव श्री राजेश कुमार सुंदरका एवं शाखा कोषाध्यक्ष श्री पंकज कुमार गोयनका बनें।

४ मार्च २०२६ को सीतामढ़ी शाखा द्वारा धूमधाम से होली मिलन समारोह मनाया गया।

६ मार्च २०२६ को सीतामढ़ी शाखा के सदस्य श्री बिजय बाजोरिया की माताजी श्रीमती पुष्पा देवी जी के निधन पर शोक प्रस्ताव सौंपा गया।

२० मार्च २०२६ को सीतामढ़ी शाखा के शाखा सचिव श्री राजेश कुमार सुंदरका जी को उनके पिताजी श्री ओम प्रकाश सुंदरका के निधन पर शोक प्रस्ताव राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका की तरफ से प्रेषित किया गया।

प्रांतीय समाचार : छत्तीसगढ़

होली मिलन समारोह

छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के द्वारा होटल अलोहा, रामसागर पारा, में होली मिलन कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पुरुषोत्तम सिंघानिया एवं प्रांतीय अध्यक्ष श्री अमर बंसल, प्रांतीय सचिव CA जी जी अग्रवाल, श्री गोपाल अग्रवाल, श्री रूपेश महेरिया, श्री अशोक जैन, श्री अशोक गोयल, श्री आनंद अग्रवाल, श्री खजांची अग्रवाल, श्री ललित बंसल, श्री रवि सिंघानिया, श्री नवीन भूषणिया, श्री विजय गर्ग, श्री रमेश अग्रवाल, श्री नरेश सिंघानिया, श्री सुरेश चौधरी एवं सभी सदस्यों की उपस्थिति में कार्यक्रम सफल रहा।

उपलब्धियाँ

भुवनेश्वर में मूल्यांकन करेंगे प्रो पवन पोद्दार

योग प्रमाणीकरण मंडल, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एक संस्थान के मूल्यांकन के लिए दो सदस्यीय दल का गठन किया गया है, यह दल पांच अप्रैल को भुवनेश्वर, ओडिशा में एक संस्थान का मूल्यांकन करेगा, मूल्यांकन दल का नेतृत्व भागलपुर के शिक्षाविद प्रो पवन कुमार पोद्दार करेंगे, दल की दूसरी सदस्य डॉ. माधवी शशांक हैं, जो मुंबई से हैं, प्रो पोद्दार पूर्व में कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद व विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के कुलपति रह चुके हैं। इसके अलावा वे देश के लगभग ३० शिक्षण संस्थानों का मूल्यांकन राष्ट्रीय मूल्यांकन व प्रत्यायन परिषद (नैक) की पियर टीम के चेयरमैन के रूप में कर चुके हैं।

साहित्य अकादेमी अवार्ड २०२५ राजस्थानी भाषा का जितेन्द्र कुमार सोनी को घोषित होने पर बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएँ।

मुकुन्दगढ़ जिला झूँझनूँ हाल मुकाम जयनगर निवासी सम्मेलन के आजीवन सदस्य श्री विश्वंभर बंका जी की सुपुत्री डॉक्टर श्रुति बंका जिन्हें **"बेस्ट आईवीएफ स्पेशलिस्ट आफ ईस्ट इंडिया"** अवार्ड प्रदान किया गया है। फिलहाल श्रुति इंदिरा आइवीएफ, मुजफ्फरपुर में कार्यरत हैं।

डा० श्रुति ने अपनी दस वर्षों की कार्यावधि के दौरान दस हजार से अधिक महिलाओं को मातृत्व के सुख का अनुभव कराया है। सम्मेलन की ओर से डा० श्रुति को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ।

४५वीं राष्ट्रीय मास्टर्स एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में एथलीट चमनलाल अग्रवाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए।

८० प्लस आयु वर्ग में उन्होंने १०० मीटर और २०० मीटर दौड़ में प्रथम स्थान हासिल कर शहर और मध्यप्रदेश का नाम रोशन कर स्वर्ण पदक हासिल किए। यह प्रतियोगिता इण्डिया मास्टर्स एथलेटिक्स के तत्वावधान में शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज मैदान में आयोजित की गई थी, जिसमें देशभर के मास्टर्स एथलीटों ने भाग लिया। बधाई!

प्रांतीय समाचार : सिक्किम

होली पर शिष्टाचार भेंट

आज सिक्किम मारवाड़ी समाज एवं गंगटोक होली उत्सव समिति के प्रतिनिधिमंडल ने गंगटोक विधानसभा क्षेत्र के माननीय विधायक के साथ मिलकर माननीय सिक्किम के मुख्यमंत्री श्री प्रेम सिंह तमांग जी से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट कर होली की हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

इस अवसर पर समाज के कल्याण एवं विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर माननीय मुख्यमंत्री जी से विस्तृत चर्चा हुई। माननीय मुख्यमंत्री जी ने हमारी सभी मसलों को सकारात्मक रूप से पूरा करने का आश्वासन दिया।

सिक्किम मारवाड़ी समाज एवं गंगटोक होली उत्सव समिति की ओर से हम माननीय मुख्यमंत्री श्री प्रेम सिंह तमांग जी के प्रति उनके स्नेह, सहयोग एवं सकारात्मक आश्वासन के लिए हार्दिक धन्यवाद एवं आभार व्यक्त करते हैं।

उपलब्धियाँ

राजस्थान के रामगढ़ शेखावाटी में आयोजित **'शेखावाटी महोत्सव'** में वरिष्ठ पत्रकार ओंकार पारीक को पत्रकारिता और लेखन के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए **'शेखावाटी फोर्टलाइज हीरो ऑफ द नैशन'** सम्मान से सम्मानित किया गया। इस मौके पर राजस्थान के पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवा, संस्था के चेयरमैन उमेश सेवदा सहित कोई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। बधाई!

मुजफ्फरपुर निवासी स्व० नवीन झुनझुनवाला के सुपुत्र मारवाड़ी समाज की युवा प्रतिभा के झंडाबरदार राघव झुनझुनवाला जिन्होंने आज घोषित संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा के परिणाम के अनुसार पूरे भारतवर्ष में चतुर्थ स्थान प्राप्त कर संपूर्ण समाज को गौरवान्वित किया है। सम्मेलन परिवार की ओर से राघव को बधाई और उज्ज्वल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएँ।

"नगर निकाय सम्मान समारोह" संपन्न

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा रांची स्थित मारवाड़ी भवन में आयोजित नगर निकाय सम्मान का आयोजन सम्पन्न हुआ। केवल एक सम्मान समारोह नहीं, बल्कि मारवाड़ी समाज की बढ़ती जागरूकता, एकजुटता और नई दिशा का सशक्त प्रतीक बनकर सामने आया।

रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में, झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं मारवाड़ी सहायक समिति के संयुक्त तत्वावधान में सम्पन्न इस भव्य कार्यक्रम में नगर निकाय चुनाव में विजयी हमारे जनप्रतिनिधियों एवं UPSC में सफलता प्राप्त करने वाली श्रीमती ईशा जैन को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झारखण्ड सरकार के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री श्री बन्ना गुप्ता जी द्वारा व्यक्त किया गया यह विचार कि "मारवाड़ी समाज अब राजनीति में जाग चुका है और एक सशक्त शक्ति के रूप में उभरेगा"–हम सभी के लिए एक दिशा और जिम्मेदारी का संकेत है। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में धनबाद नगर निगम के निवर्तमान महापौर श्री चंद्रशेखर अग्रवाल जी ने समाज की एकता को हमारी सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए हम सभी को संगठित रहने का संदेश दिया।

इस गरिमामय अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष श्री सुरेश चंद्र अग्रवाल जी, पूर्व अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश जी अग्रवाल, वरीय उपाध्यक्ष श्री ललित जी पोद्दार, झारखंड के विभिन्न जिलों से पधारे जिलाध्यक्ष एवं उनके पदाधिकारी सहित अनेक वरिष्ठजनों की उपस्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया कि जब समाज एक मंच पर आता है, तो उसकी शक्ति कई गुना बढ़ जाती है।

आइए, हम सभी संकल्प लें कि समाज की प्रतिष्ठा, प्रगति और एकजुटता को सर्वोपरि रखते हुए मिलकर कार्य करें।

मुख्य मंत्री से शिष्टाचार भेंट

पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन के एक प्रतिनिधिमंडल ने झारखंड विधानसभा परिसर में झारखंड के माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय अभिनंदन किया।

मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा समाजसेवा, सांस्कृतिक गतिविधियों एवं जनहित के विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। साथ ही सम्मेलन द्वारा निकट भविष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के बारे में अवगत कराते हुए उन्हें सादर आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री श्री सोरेन ने आमंत्रण को सहर्ष स्वीकार करते हुए सम्मेलन की गतिविधियों की सराहना की और भविष्य में भी सहयोग का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर जमशेदपुर पश्चिम के लोकप्रिय विधायक श्री सरयू राय भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। वहीं झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के महासचिव श्री विनोद जैन की भी गरिमामयी उपस्थिति रही।

प्रतिनिधिमंडल में पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन के जिला अध्यक्ष श्री मुकेश मित्तल, महासचिव श्री प्रदीप मिश्रा, संयुक्त महासचिव श्री आकाश शाह, सचिव श्री महेश छापोलिया सहित अन्य पदाधिकारी शामिल थे।

सोशल मीडिया पेज से जुड़ें

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सोशल मीडिया में उपस्थिति फेसबुक एवं इंस्टाग्राम पेज के माध्यम से प्रारंभ हो चुकी है। सभी समाज-बंधुओं से विनम्र निवेदन है कि फेसबुक : AIMF1935 व इंस्टाग्राम : allindiamarwarifederation_ को अधिक से अधिक संख्या में लाइक/फॉलो करें। इसके द्वारा हम आपसी संवाद एवं संपर्क को बढ़ावा देंगे एवं इससे सम्मेलन की सूचनाओं का आदान-प्रदान भी संभव हो पाएगा। सम्मेलन के सभी प्रांत, शाखा एवं समाज से जुड़े सभी समाज-बंधुओं से अनुरोध है कि इस सुविधा का लाभ उठाएं तथा अपने सूचना/विचार एवं कार्यक्रम की फोटो पोस्ट करने के लिए राष्ट्रीय कार्यालय में व्हाट्सएप +91 86973 17557 करके या ईमेल (aimf1935@gmail.com) में भेज सकते हैं, ताकि उपयुक्त जानकारियों को हम एक-दूसरे के साथ साझा कर सकें। इस संबंध में आपके सुझाव आमंत्रित हैं। राम! राम!!

– **केदार नाथ गुप्ता**, राष्ट्रीय महामंत्री

प्रांतीय समाचार : झारखंड

होली मिलन संपन्न

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के दुमका जिला मारवाड़ी सम्मेलन के सदस्यों ने बड़े ही हर्ष एवं उल्लास से समाज बंधुओं के साथ होली मिलन समारोह हर वर्ष की भांति स्थानीय मारवाड़ी चौक में मनाया गया।

सम्मेलन के माननीय सदस्यों की महती उपस्थिति आपसी मिलन, बड़ों को सम्मान, छोटों को मधुर प्यार की अपनी संस्कृति का अद्‌भुत परिचय प्रदान कर रही थी।

प्रांतीय समाचार :आंध्र प्रदेश

छाछ वितरण कार्यक्रम

चैत्र नवरात्री एवं हिन्दु नववर्ष के उपलक्ष्य में आंध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के तत्वावधान में विशाखापट्टनम मारवाड़ी सम्मेलन के द्वारा शाखाध्यक्ष श्री पोडेश्वर पुरोहित, शाखा सचिव राजेश कुमार कोठारी, कमेटी मेम्बरस एवं समाज सेवा बन्धुओं के द्वारा छाछ वितरण के कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया ।

प्रांतीय समाचार : गुजरात

गौ सेवा कार्यक्रम

गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की वेसु शाखा द्वारा ८ मार्च २०२६ के दिन सिविल हॉस्पिटल के पास स्थित "सुशीला गौशाला" में गौ सेवा गई । जिसके अंतर्गत गौ माता के लिए लिए सहयोग राशि भी प्रदान की गई।

कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल के नेतृत्व मे सूरत वेसु शाखा अध्यक्ष प्रकाश बिंदल, सचिव राहुल बजाज, प्रभात जालान, सुशांत बजाज, दीपक डालमिया, सिद्धार्थ अग्रवाल, अमित मस्कारा, राकेश किल्ला एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल ने संस्थापक प्रादेशिक अध्यक्ष श्री जयप्रकाश अग्रवाल से मिलकर उनका आर्शीवाद प्राप्त किया। श्री संजय अग्रवाल ने बताया की उनके विचारो को सम्मेलन में कार्यान्वित करेंगे।

भेंट वार्ता

गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रादेशिक अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल ने संस्थापक अध्यक्ष श्री जय प्रकाश अग्रवाल से मिल कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। श्री संजय अग्रवाल ने बताया कि उनसे प्राप्त सुझावो को सम्मेलन में कार्यान्वित करेंगे।

मारवाड़ी भाई-बेहना सू निवेदन

आपा आपणो देश मारवाड़ (राजस्थान) तो छोड़ दिया हाँ, काईं आपणी मारवाड़ी, आपणी मातृभाषा ने भी छोड़ देनो, खत्म कर देनो चावां हाँ। आपणा में अधिकतर माता-पिता आपणा बच्चा (टाबरा) सू हिंदी, इंग्लिश में बात करा हाँ और गर्व महसूस करा हाँ, आज हर सिंधी रा बच्चा सिंधी बोले है, मराठी का मराठी, अटातांई के अरबपति अंबानी का बच्चा भी गुजराती में ही बात करे है, परंतु आज री जेनरेशन मारवाड़ी बच्चा ने तो मारवाड़ी आवे ही नहीं है, काई आपण मारवाड़ी बोलना में शर्म आवे है। इन बच्चा का हक है मारवाड़ी बोलनो और मारवाड़ी सीखनो तो कृपया कर गर्व सू मारवाड़ी में बात करो, कम से कम मां-पिता जी, भाई-भोजाई, चाचा-चाची जी, सगला घर का सू कोई एक तो बात शुरू करो।

आपणी मारवाड़ी भाषा ने विलुप्त होना सू बचाओ!

होली में उपाधियों का मुक्तहस्त वितरण

श्रीमान / श्रीमती	उपाधि
श्री पवन कुमार गोयनका	अनुभवी
श्री गिरधारी लाल गोयनका	अपनापन
डॉ. सुभाष अग्रवाल	नया जोश
श्री बिनोद तोदी	कर्मठ
श्री राज कुमार मिश्रा	ऊँची छलांग
श्री पुरुषोत्तम सिंघानिया	पूरी कोशिश
श्री गोकुल चंद बजाज	देखता हूँ
श्री केदार नाथ गुप्ता	सिपाहसलार
श्री पवन कुमार जालान	पदचिन्हों पर
श्री पवन कुमार बंसल	सामाजिक
श्री बसंत कुमार सुराना	लबालब इरादे
श्री अनिल कुमार मलावत	पडालो सुख निरोगी काया
श्री सीताराम शर्मा	मधुर मुस्कान
श्री नन्द लाल रूँगटा	धीर गंभीर
डॉ. हरि प्रसाद कानोडिया	आध्यात्म की ओर
पद्मश्री प्रह्लाद राय अगरवाला	अजातशत्रु
श्री संतोष सराफ	दिल है कि मानता नहीं
श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया	भीष्म प्रतिज्ञा
श्री शिव कुमार लोहिया	गाता जाये बंजारा
श्री रतन लाल साह	प्रतिभाशाली
श्री संजय कुमार हरलालका	नई पारी
श्री कैलाशपति तोदी	सब ठीक है
श्री राज कुमार केडिया, झारखण्ड	साफ गोई
श्री अमित सरावगी, कोलकाता	माई डियर
श्री कमल नोपानी, पटना	झंडा ऊँचा रहे हमारा
श्री रंजीत कुमार जालान, हरिद्वार	हर की पौड़ी
श्री अनिल कुमार जाजोदिया, वाराणसी	जिम्मेदारी का बोझ
श्री कृष्णा अग्रवाल, धनबाद	सिपाही
श्री रविन्द्र चमड़िया, कोलकाता	चमक दमक
श्री अरुण कुमार गाड़ोदिया, कोलकाता	नई खोज
श्री कुँज बिहारी अगरवाला, कोलकाता	काम होना चाहिए
श्री रमेश पेड़ीवाल, सिक्किम	पूरी चेष्टा
श्री अरुण चुड़ीवाल, कोलकाता	हमारी विरासत
श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया, दिल्ली	हरि ओम
श्री सज्जन भजनका, कोलकाता	ऊँची उड़ान
श्री अरुण कुमार सुरेका, हैदराबाद	अभी तो मैं जवान हूँ
श्री ललित बेरीवाला, कोलकाता	जय श्री कृष्ण
श्री सजन कुमार बंसल, कोलकाता	संघे शक्ति कलियुगे
श्री अशोक कुमार जे. मुंधड़ा, चेन्नई	अपनी धुन
श्री आत्माराम सोंथालिया, कोलकाता	अतुलनीय
श्री बाबूलाल बंका, कोलकाता	कहाँ पे नजर...
श्री बनवारीलाल शर्मा (सोती), कोलकाता	दिलदार
श्री भगवानदास अग्रवाल, कोलकाता	समाज का भला
श्री भारत वी. गुर्जर, मुंबई	नया जोश
श्री बिनोद कुमार अग्रवाल, बरगढ़	पुराना सिपाही
श्री बृजमोहन गाड़ोदिया, कोलकाता	"सर्वे सन्तु निरामया:"
श्री चांदमल अग्रवाल, विशाखपटनम	रथ यात्रा
श्री दिनेश कुमार जैन, कोलकाता	समय का अभाव
श्री जुगल किशोर जाजोदिया, कोलकाता	हरदिल अजीज

श्रीमान / श्रीमती	उपाधि
श्री मधुसूदन सीकरिया, गुवाहाटी	मंद मुस्कान
श्री महेश बंग, नागपुर	पद चिन्हों पर
श्रीमती ममता बिनानी, कोलकाता	कार्पोरेट
श्री मुकेश मित्तल, जमशेदपुर	नायक हूँ मैं
श्री नारायण भूषणिया, रायपुर	नया अवसर
श्री निर्मल सराफ, कोलकाता	अग्र बंधु
श्री ओमप्रकाश पोद्दार, बेंगलुरु	हमदर्द
श्री पवन टिबड़ेवाला, कोलकाता	गौवंश
श्री प्रदीप जीवराजका, कोलकाता	एरीस्ट्रोक्रेट
श्री राजेश कुमार सोंथालिया, कोलकाता	नेक इरादे
श्री रमेश कुमार बजाज, दिल्ली	कार्यकर्ता
श्री संदीप गर्ग, कोलकाता	ऊँची दुकान
श्री संदीप कुमार सिंघल, सूरत	सही इरादा
श्री संजय गोयनका, कोलकाता	जेन्टलमैन
श्री शिव रतन अगरवाला (फोगला), कोलकाता	रसीले सजन
श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल, एर्नाकुलम	सहज सरल
श्री सुशील कुमार गोयनका, कोलकाता	समाज हित
श्रीमती सुषमा अग्रवाल, पटना	हाजिर जवाब
श्री बिनोद कुमार लोहिया, गुवाहाटी	कथनी करनी एक
श्री विष्णु कुमार तुलस्यान, कोलकाता	प्रोफेशनल
श्री बिश्वनाथ सुरेका, कोलकाता	घर वापसी
श्री विवेक गुप्त, कोलकाता	ऊँचे इरादे
श्री विरेन्द्र धोका, महाराष्ट्र	साफ दिल
श्री गोपी राम धुवालिया, कोलकाता	दिल ढूढ़ता है
श्री आदित्य पोद्दार, कानपुर	प्रोग्रेसिव
श्री अमित मुँधड़ा, कोलकाता	मेरोसेमंद
श्री आनंद कुमार अग्रवाल, कोलकाता	आमने सामने
श्री आनंद गोयनका, अमृतसर	अमृतसरी तड़का
श्री अरुण प्रकाश मल्लावत, कोलकाता	समाजिक पकड़
श्री भगवान दास अग्रवाल, कोलकाता	पानी की माया
श्री बनवारी लाल मित्तल, कोलकाता	मारवाड़ी एमबीए
श्री विश्वनाथ भुवालका, कोलकाता	मिलनसार
श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका, कोलकाता	नारायण नारायण
श्री गोपाल अग्रवाल, कोलकाता	इच्छा तो है स्वर्ग तक बना दूँ।
श्री जगदीश गोलपुरिया, बरगढ़	युवा तुर्क
श्री जगदीश प्रसाद शर्मा, चेन्नई	स्वास्थ्य
श्री जय भगवान सांवरिया, कोलकाता	आटोमोबाईल
श्री मन्नालाल बैद, दिल्ली	पूराना सिपाही
श्री मुरारीलाल सोंथालिया, चेन्नई	दक्षिणपंथी
श्री नंदलाल सिंघानिया, कोलकाता	आता है याद मुझको
श्री नरेंद्र कुमार तुलस्यान, कोलकाता	पेडीग्री
श्री प्रह्लाद राय गोयनका, कोलकाता	गंगा मईया
श्री प्रकाश चन्द्र हरलालका, कोलकाता	दिलचस्पी
श्री राजेश ककरानियाँ, हावड़ा, प.बं.	कुछ करना है
श्री रमेश कुमार बंग, हैदराबाद	छोड़ूगा नहीं
श्री सज्जन शर्मा, दिल्ली	सद्भावना
श्री संतोष कुमार अग्रवाल, साकची	रेगुलर
श्री सुभाष चंद खंडेलवाल, कोलकाता	यथाशक्ति
श्री सुनील गुप्ता, अमृतसर	पंजाबी बिरादरी

होली में उपाधियों का मुक्तहस्त वितरण

श्रीमान / श्रीमती	उपाधि
श्री सुशील कुमार चौधरी, कोलकाता	चकाचौंध
श्री विजय कुमार संकलेचा, जबलपुर	नेक दिल
श्री युगल किशोर अग्रवाल, पटना	साफगोई
श्री ओमप्रकाश अग्रवाल, आंध्र प्रदेश	डिप्लोमेट
श्री बालकिशन लोया, आंध्र प्रदेश	दिलावर
श्री राकेश बंसल, बिहार	ऊँचे इरादे
श्री अंजनी सुरेका, बिहार	राजस्थानी मेला
श्री अमर बंसल, छत्तीसगढ़	भरोसेमंद
श्री गिरधर गोपाल अग्रवाल, छत्तीसगढ़	मैं भी हूँ
श्री राजेश कुमार सिंघल, दिल्ली	कवि हृदय
श्री बसंत पोद्दार, दिल्ली	अच्छी सोच
श्री संजय अग्रवाल (डोकनिया), गुजरात	नया जोश
श्री शुशांत कुमार बजाज, गुजरात	जोशो खरोश
श्री सुरेश चन्द्र अग्रवाल, झारखंड	मोर्चा संभाल रखा है
श्री विनोद कुमार जैन, झारखंड	निभा रहा हूँ
श्री सीताराम अग्रवाल, कर्नाटक	नेपथ्य में
श्री शिव कुमार टेकरीवाल, कर्नाटक	सिल्की वे
श्री शरद सरावगी, मध्य प्रदेश	खुश मिजाज
श्री श्याम सुंदर माहेश्वरी, मध्य प्रदेश	प्रयासरत
श्री निकेश गुप्ता, महाराष्ट्र	चमकता सितारा
श्री सुदेश करवा, महाराष्ट्र	बुलंद सितारा
श्री नंद किशोर अग्रवाल, पश्चिम बंग	नाट आउट
श्री पंकज भालोटिया, पश्चिम बंग	सीख रहा हूँ
श्री कैलाश चंद काबरा, पूर्वोत्तर	बेमिसाल
श्री रमेश चांडक, पूर्वोत्तर	कलम का सिपाही
श्री अशोक केडिया, तमिलनाडु	असमंजस
श्री मोहनलाल बजाज, तमिलनाडु	बदलना है
श्री रामप्रकाश भण्डारी, तेलंगाना	समझ के बाहर
श्री बद्री विशाल मुँदड़ा, तेलंगाना	खोया आसमान
श्री दिनेश कुमार अग्रवाल, उत्कल	नया अंदाज
डॉ. सुभाष चन्द्र अग्रवाल, उत्कल	विश्वस्त सहयोगी
श्री श्रीगोपाल तुलस्यान, उत्तर प्रदेश	वश के बाहर
श्री टिकम चन्द सेठिया, उत्तर प्रदेश	अच्छी सोच
श्री रंजीत कुमार टिबड़ेवाल, उत्तराखंड	बढ़ते कदम
श्री आशीष वेदप्रकाश गुप्ता, उत्तराखंड	देखता हूँ
श्री अक्षय अग्रवाल, केरल	इरादा ही इरादा
श्री विनय सिंघल, केरल	सोच रहा हूँ
श्री सजन कुमार अग्रवाल, सिक्किम	बढ़े चलो
श्री धीरज बंसल, सिक्किम	पाटी की शुरुआत
श्री बिनय सिंघानिया, कोलकाता	न उधो का लेना...
श्री कमल कुमार केडिया, झारखण्ड	देखी जायेगी
श्री बिजय डोकानिया, कोलकाता	पास्ट प्रेसीडेंट
श्री दीपक छापडिया, कोलकाता	खजांची
श्री अतुल चुडीवाल, कोलकाता	मैं भी हूँ
श्री श्रवन केडिया, झारखण्ड	हिसाब-किताब
श्री जगदीश प्रसाद सिंघी, कोलकाता	राजस्थानी भाषा का सिपाही
श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला, बिहार	दिल है कि मानता नहीं
श्री तपन गाडोदिया, कोलकाता	मस्त मिजाज
श्री प्रकाश कुमार पारख, कोलकाता	समाज सेवी

श्रीमान / श्रीमती	उपाधि
श्री अमित डाबरीवाल, कोलकाता	उभरता सितारा
डॉ. श्याम सुन्दर हरलालका, पूर्वोत्तर	बहुआयामी
श्री ओम प्रकाश अग्रवाल, दिल्ली	अनुयायी
श्री अंजनी धानुका, कोलकाता	उडान की तलाश
श्री कमलेश नहाटा, मध्य प्रदेश	मौके की तलाश
श्री मनमोहन जैन, दिल्ली	सब ठीक है
श्री संदीप सेकसरिया, कोलकाता	भरोसेमंद
श्री बिष्णु अग्रवाल, कोलकाता	राम जी की कृपा से
श्री दीपक जालान, कोलकाता	कलम की ताकत
श्री प्रदीप जालान, कोलकाता	काम से काम
श्री राजेश पोद्दार, कोलकाता	सब ठीक है
श्री मुकेश कुमार जैन, बिहार	आगे की चिंता
श्री राजेश बजाज, बिहार	अंधभक्त
श्री उत्तम गुप्ता, कोलकाता	जय सियाराम
डॉ. सावर धनानिया, कोलकाता	पुराना घी
श्री दीपक बंका, कोलकाता	निभा रहा हूँ
डॉ. विकास अग्रवाल, मुंबई	स्वास्थ्य ही धन
डॉ. साधना गुप्ता, दिल्ली	गोलडन हर्ट
डॉ. चेतन काबरा, पूर्वोत्तर	लीक से हटकर
डॉ. दीपक गुप्ता, दिल्ली	निरोगीकाय
डॉ. विलास लढ्ढा, महाराष्ट्र	इन सर्कुलुशन
डॉ. सुनील शॉफ, चेन्नई	व्यक्तित्व के धनी
सुश्री श्वेता शर्मा, कोलकाता	सुलझे विचार
डॉ. राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सिलीगुड़ी	समाजहित
डॉ. सुमित पेरीवाल, सिक्किम	हिमालय की गोद
श्री अशोक पुरोहित, हुगली, प.बं.	समय का अभाव
श्री संतोष अग्रवाल, साकची	जय सियाराम
श्री सोभित छावछरिया, कोलकाता	गतिमान
श्री राज कुमार शर्मा, देवघर	गुडमार्निंग
श्री ओम प्रकाश झुनझुनवाला, कोलकाता	प्रतिभाशाली
श्री गिरधर झुनझुनवाला, पटना	निभा रहा हूँ
सुश्री श्वेता शाह, कोलकाता	पर्दे के पीछे
श्री विजय जैन, कोलकता	चलना जीवन का नाम
श्री राज कुमार नाहटा, दिल्ली	सदैव आपका
श्री रमेश गोयनका, पूर्वोत्तर	मृदु मुस्कान
श्री नारायण प्रसाद जैन, कोलकाता	धनुर्धर
श्री पंकज सरावगी, दिल्ली	देखता हूँ
सुश्री कविता बरडिया, दिल्ली	कितना पास कितना दूर
श्री अजय अग्रवाल, कोलकता	सक्षम
श्री सजन बेरीवाला, कोलकाता	साथी
श्री पवन जैन, कोलकाता	तत्पर
श्री प्रमोद अग्रवाल, कोलकाता	साथी हाथ बढ़ाना
श्री रामानंद रुस्तगी, कोलकाता	विचारशील
श्री महेश जालान, बिहार	कोई चिंता करेनी
श्री सुभाष चंद खंडेलवाल, कोलकाता	हमदर्द
श्री संजय शर्मा, कोलकाता	पाक इरादे
श्री सुश्री सरला सिंघानिया, कोलकाता	नारी शक्ति
श्री अजय कुमार नांगलिया, हावड़ा	मौका मिलने पर

होली की हार्दिक शुभकामनाएँ!

होली पर रंगा रो संस्कार

रंग लगावै रामजी!

राजी राखै रामजी! होळी रै मौकै आज बात रंगां री, बां री रंगत री। जिनगाणी रो दूजो नांव रंग ई है। भांत-भांत रा रंग, कदे मन चाइजता, कदे हर चाइजता। सुरंगा रंग मन हरखावै तो पक्का जियाजूण में सोग टिपावै। रंग पक्का होवै का सुरंगा, दोनां री आपरी मरजादा अर काण कायदा है आपणी संस्कृति में....।

आं दिनां होळी रो डांडो रूप्योड़ो है, कीं कमती ई सही, पण अजेस ई चौक चौराया अर गांव-गवाड़ां में डफ अर चंग रा धमीड़ा सुणीजै, देर रात तक धमाळां रा सुर गूंजबो करै। रंगां रो तिंवार है होळी, रूस्योड़ां नै मनावणै रो तिंवार है होळी, रंग बरसै तो रंग मतैई लागै। रंग तो लागणा ई चाइजै पण कई लोग रंग लागणै अर लगावणै सूं भोत डरै, कांई ठाह क्यूं?

बान्नै कैवणो है, 'अरे डोफो ! रंग तो भाग आळै रै लागै, अर बे ई रामजी लगावै जणां....!' नींतर बैठ्या रैवो मूंडो लटकायां, कुण कन्नै बेल्ह है, आपरै रंग लगावण री!

कवि कागद री ओळ्यां चेतै आवै-

होळी है गुलाल है/पण मसळां कीं रै/गालां रो काळ है...

सियासी बात करां तो रंगां सूं डर भी वाजिब है। बैरण सियासत रंगां नै ई खेमां में बांट दियो है। रूंख भायलै री अेक भोत चावी ठावी कविता 'रंगां सूं डर', बांचो दिखाण-

.....रंगां सूं भोत डर लागै
जेकर लाल म्हारी पसंद है
लोग म्हानै कामरेड बतावै
जे म्हानै नीलो रंग भावै
बै म्हारो दलितां सूं नातो बतावै
जे केसरियो रंग ओपावूं
तो म्हूं हिंदू हो जावूं
हरयै री पसंद बतावता ई
म्हूं मियों बण जावूं
जेकर काळो पैरूं
तो गुप्तचर एजेंस्यां म्हां पर निजरां गडावै
म्हानै राज रो विरोधी बतावै
अर धौळो..... !
बो तो अबै रंग ई नीं है
कारण ?
सांयती सूं जीवण रो म्हां कन्नै
ढंग ई नीं है.....

ओ डर सियासी हो सकै पण कुदरती रंगां सूं कुण बेराजी! साची बात आ कै रंग बिना सब सून है। आपणै अठै तो बधाई देवां जणाई कैवां, घणा घणा रंग आपनै! राजस्थानी लोक में रंगां री रंगत न्यारी। जे चेतो राख'र देखां, तो ठाह लागै कै हर रंग आपरी निरवाळी पिछाण राखै, माइना ई न्यारा न्यारा...। सोचो दिखाण-

मूंडो फगत काळो ई नीं होवै, कदे कदे धौळै होवण री बात ई सामीं आवै। काळो होवण रो मतलब भूंडीजणो, कोई माडो काम होवणो। पण मूंडै रै धौळै होवण री बात करां तो कोई चोरी पकड़ीजणी, इचरज रो भाव। काळै-धौळै सूं आगै बधां तो मूंडो लाल होवै रीसां में.....अर पीळो पड़े हारी बेमारी में। अबै थे कैयस्यो, भाई जी, मूंडो हरो तो कोनी होवै। भाई ह'यो तो मिनख होवै मिनख नै देख'र ! हरख रो रंग है हरो, अर सोग रो .....ना बूझो काळो, भूरो, नीलो, हरो अर धौळो....। रंगां रै पेटै कैबत चेतै आवै-

'म्हां सूं गोरै नै पीळियो रो रोग होवैला!' संस्कृत भासा में इण कैबत नै इण ढाळै कहिज्यो है-अहं सत्यं, जगत मिथ्या!' फिल्मी डॉयलॉग री बात करां तो 'हमसे बढ़कर कौन!'

आपां लाल नै रातौ कैवां, अर हरयै नै लीलो। नीलो न्यारो होवै भई, जमानों चोखो होवै तो खेत लीला होवै, डांगरां सारू धपाऊ लीलो होवै उण बगत। हरयै यानी लीलै सूं ई आपणै अठै रंगरेज नै लीलगर कहिजै, लीलगर.... अरे भई रंगारो! इण रंग रै पेटै लीलगर कद अर कांई ठाह अेक जात बणगी।

आपणो देस 'रंगीलो राजस्थान' कहिजै। जूनै बगत में लगोलग पड़तै काळ रै बिच्चाळै अठै रै मानवी अबखायां सूं बांथेड़ो करतां थकां ई कुदरती रंगां नै बेरंग नीं होवण दिया। आज घड़ी आखी दुनिया में सैं सूं रंग रंगीला गाभा अर खान-पान आपणी संस्कृति में लाधै। आपणै लाल चुट्ट है तो धौळो धप्प, काळो टींट है तो गोरो गेऊं बरणो, घणो गोरो दूधां धोयो, लीलो मूंगियो है का तोतियो, पीळो पोमचो है का पोतियो और ई घणाई....। आपां रै लोक में तो सुरजी रै घोड़लां रा ई न्यारा न्यारा रंग गाइजै-

काळो सूरज जी रो घोड़लो
सहेल्यां अे
काळा राणी रैणा दे रा केस....
पीळो सूरजजी रो घोड़लो
सहेल्यां अे
पीळो राणी रैणा दे रो रूप.....
हरियो सूरज जी रो घोड़लो
सहेल्यां अे
हरी राणी रैणा देरी गोद

इण लोकगीत में सुरजी रै सातूं घोड़ां रा सात रंग गाइजै। रंगां नै बखाणता अेक दूजै गीत में बीनणी लीलगर सूं अरज करै कै 'और रंग दे रे भाया ओजूं रंग रे म्हारी सासूजी रै दाय कोनी आई रे लीलगर और रंग दे...।

बात रो सार ओ है कै रंगां रो संसार घणो मनभावनो.....रंगां बिना चौफेर सून। रंग लागणा अर लगाणा चाइजै। सगळै बांचणियां नै होळी री मोकळी बधाई, घणा घणा रंग। बाकी बातां आगली हथाई में। आपरो ध्यान राखो, रसो अर बसो....।

- रूंख भायला
(संकलित)

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य

श्री सुमित अग्रवाल मेसर्स - एच.एस. अग्रवाल एंड संस, रायपुर, छत्तीसगढ़ मो. ९४२५५७२८४१	**श्री विकास अग्रवाल** अग्रसेन मार्ग, नैला,जहांगीर-चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ७८९८८५५४७१	**श्री विष्णु कुमार मोदी** चांपा, जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ७९८७६०१९३६	**श्री अजय बगड़िया** वेटनरी हॉस्पिटल नई बस्ती कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१५७३६५	**श्री अनिल कुमार मोर** खेर माता मंदिर, शहडोल मध्य प्रदेश मो. ९४२५१०३०१३
श्री सुमित अग्रवाल हात्री चौक, शक्ति, छत्तीसगढ़ मो. ८७७०७४५२३०	**श्री विकास अग्रवाल** अग्रसेन मार्ग, जहांगीर-चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९३००४०१५४०	**श्री विवेक अग्रवाल** ग्रीन पार्क कॉलोनी, महाराणा प्रताप चौक, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ मो. ९८२७१११११०	**श्री अजय कुमार खंडेलवाल** ४६- इंडस्ट्रियल एरिया, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१५८४७४	**श्री अनिरुद्ध हलेन** २०, धेनु मार्केट, इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९८२७०९१७२५
श्री सुनील कुमार अग्रवाल गांधीनगर नैला, जांजगीर-चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९७५५७९९६६७	**श्री विकास जिंदल** अग्रसेन मार्ग, वार्ड नंबर- ६ जहांगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९७५५०५४०००	**श्री विवेक कुमार अग्रवाल** जय श्री श्याम भगवान, नैला, जहांगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ८७७०९०११२३	**श्री अजय सरावगी** मेसर्स - सरावगी टेंट हाउस हीरागंज, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९८२६१६०२२४	**श्रीमती अनीता अग्रवाल** नेहरू वार्ड- २९, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ७७७१०१३१३५
श्री सुनील कुमार अग्रवाल सदर बाजार, चांपा, जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९९९३२४२६६५	**श्री विकास सिंघानिया** मेन रोड, नेताजी चौक, जांजगीर- चंपा, छत्तीसगढ़ मो. ७०२१५०९२६८	**श्री विवेक सिंघल** अग्रसेन मार्ग, मेन रोड, नैला, जहांगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९८२६४१२६०९	**श्री अमित अग्रवाल** द्वारका सिटी, बरगवां, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१५३४९८	**श्रीमती अनीता सरावगी** वार्ड नंबर- २२, रामलीला मैदान, घंटाघर, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१५३४८५
श्री सुनील कुमार अग्रवाल मेसर्स - बंसल सुपर बाजार, राजापाड़ा, शक्ति, छत्तीसगढ़ मो. ९३००४८२६५१	**श्री विकास अग्रवाल** महाराजा अग्रसेन, नैला जहांगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ८०८५३९२३११	**श्री योगेश कुमार अग्रवाल** कोरबा रोड, जवाहरपाड़ा, चांपा, जांजगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९९९३३२४७१४	**श्री अमित बिदासरिया** बिचौली मर्दाना, इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९८२६०४२२०५	**श्री अजय कुमार जैन** लल्ला हलवाई मार्ग, हनुमानगंज, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१५०५०२
श्री सुरेंद्र कुमार अग्रवाल (सी.ए.) मिनोचा कॉलोनी, मुंगेली रोड, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ मो. ९४२५२२०२५१	**श्री विक्रम कुमार पालीवाल** नैला, जहांगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९४२४१७२०७०	**श्री आयुष सरावगी** जबलपुर रोड, बरगवां, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ७५०९१८२०८०	**श्री अमित कुमार बजाज** हनुमानगंज, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९८९३२६०६०२	**श्री अंकुर पोद्दार** राहुल बाघ, कटनी मध्य प्रदेश मो. ९४२४३२३१२३
श्री सुरेश कुमार अग्रवाल मेन रोड बिल्हा, वार्ड नंबर-१३, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ मो. ९८२६५२०३४९	**श्री विक्रांत अग्रवाल** लिंक रोड, जहांगीर- चांपा छत्तीसगढ़, मो. ९३२९१५५८३१	**श्री अभय बागड़िया** वेटनरी हॉस्पिटल, मालवीयगंज, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१५७३९२	**श्री आनंद कुमार सरावगी** गोकुलधाम सोसायटी फेज-२, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ७०००९२३०३२	**श्री अनूप सिंघल** ३७४, हुकुमचंद कॉलोनी इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९४२५३१७४२०
श्रीमती स्वाति अग्रवाल लिंक रोड, जांजगीर- चांपा छत्तीसगढ़ मो. ८३१९७५७०१७	**श्री विनायक अग्रवाल** जूना बिलासपुर बिलासपुर, छत्तीसगढ़ मो. ७०००१०३५००	**श्री अभिनंदन सरावगी** गुरु नानक वार्ड, हीरागंज, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ८९६६००६०००	**श्री आनंद सिंघानिया** राजीव गांधी, वार्ड नंबर- १३, मुर्वारा, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ८०८५४९५०३१	**श्री अंशु खंडेलवाल** विश्वकारा पार्क के पास, सुभाष चौक, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१५१०३९
श्री तपन अग्रवाल लिंक रोड, जांजगीर- चांपा छत्तीसगढ़ मो. ८३१९७५७०१७	**श्री विनोद केडिया** स्टेशन रोड, चंपा, जहांगीर-चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९८२६४८४००३	**श्री अभिषेक गोयनका** रूई बाजार, जवाहर चौक, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ८८३९२९६१७३	**श्री अनंत अग्रवाल** ३८६, क्लर्क कॉलोनी, परदेसीपुरा, इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९५८४४६०६७४	**श्री अरुण कुमार हलेन** १८२/१, छोटी खजरानी, ए.बी. रोड, इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९४२५०५८४४६
श्री उमेश पालीवाल घटोली चौक, जांजगीर-चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ९३०००२४६००	**श्री विनोद कुमार मित्तल** ताज मस्जिद रोड, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ मो. ९८२६१६६६३१	**श्री आदित्य सरावगी** द्वारा - डॉ. नरेश सरावगी घंटाघर, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ७८२९९६९९१०	**श्री अनिल जाजोदिया** १०९३, सुदामा नगर, इंदौर मध्य प्रदेश मो. ९९९३०५३२२२	**श्री अरुण सरावगी** हनुमानगंज, घंटाघर, कटनी मध्य प्रदेश मो. ९४२५४६६२२२
श्रीमती उषा अग्रवाल स्टेशन रोड, नैला, जहांगीर-चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ७३८९१०४५७५	**श्री विपुल अग्रवाल** बगीचापाड़ा, नैला, जहांगीर-चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ८९८२४७९०३३	**श्री अजय अग्रवाल** साकेत नगर, इंदौर मध्य प्रदेश मो. ७९८७०८२०५९	**श्री अनिल कुमार अग्रवाल** मेसर्स - मित्तल ड्रेसेस शहडोल, मध्य प्रदेश मो. ९४२५२११८१२	**श्री अशोक कुमार अग्रवाल** घंटाघर रोड, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९८९३४१७६४४
श्री वेदांत अग्रवाल जूना बिलासपुर, बिलासपुर छत्तीसगढ़ मो. ७०००१०३६००	**श्री विष्णु धानुका** मेसर्स - बजरंग राइस मिल पेंडरी, जहांगीर- चांपा, छत्तीसगढ़ मो. ८५१७८२०७४४	**श्री अजय अग्रवाल** २०१, ऋतुराज बिजनेस सेंटर, बिचौली मर्दाना, इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९८२६०७०५१३	**श्री अनिल कुमार गोयनका** २५ए, लक्ष्मीबाई नगर, किला मैदान, इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९८२७०४११११	**श्री अशोक कुमार मोर** डेवलपमेंट एरिया, शहडोल मध्य प्रदेश मो. ९४२४६४२४८६

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य

श्री अशोक कुमार सिगतिया अनूप नगर, इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९४२५९५८१७२	**श्री घनश्याम दास गट्टानी** गट्टानी बिल्डिंग, सुभाष वार्ड कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५८०१६०५	**श्री जितेंद्र कुमार कानोड़िया** इलेक्ट्रॉनिक सेंटर, धर्मशाला बिल्डिंग, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ७०००८९१८१४	**डॉ. लक्ष्मी नारायण खंडेलवाल** आदर्श कॉलोनी, राम मनोहर लोहिया, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ७८९८१७४७२४	**डॉ. मनीष गट्टानी** मेसर्स - चांडक हॉस्पिटल चांडक चौक, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५३२४१८८
श्री अतिन अग्रवाल (सी.ए.) प्रकृति कॉर्पोरेट, ब्लॉक ए, वाई. एन. रोड, इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ८६०२०००२०९	**श्री गिरीश गांधी** सिविल लाइन्स, डायर्स कंपाउंड गणेश चौक, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९३००७०२७२७	**श्री जितेंद्र कुमार सिंघानिया** सिल्वर टॉकीज कंपाउंड, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५४६६६४०	**श्री एम. एल. मंत्री** बाईपास बुरहार रोड, शहडोल, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१८०५१२	**डॉ. मनीष लधानिया** निपानिया, इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९८९३१४०८४४
श्री आत्माराम फूलचंद अग्रवाल धर्म अज्ञान बिल्डिंग, ३०बी, वसंत विहार, इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९४२५०६०२०८	**श्री गोपाल अग्रवाल** १३/२०, यशवंत निवास रोड इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९८२६१७९०४३	**श्री के. के. अग्रवाल** विजयनगर, इंदौर मध्य प्रदेश मो. ९४२५०५६१७२	**श्री मधुसूदन अग्रवाल** सराफा बाजार, रघुनाथगंज कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१५७५८७	**श्री मनीष सरावगी** जबलपुर रोड, बड़गांव, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९२८५००५३७५
श्री बलराम खेडिया सराफा बाज़ार, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९००९०३८८८०	**श्री गोपाल चंद गट्टानी** मेसर्स - गिरराज एंड कंपनी हनुमानगंज, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१५३७७०	**श्री कैलाश चंद शर्मा** पुष्प रतन मैहर, ३/३ न्यू पलासिया, इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९४२५०५९४४८	**श्री मधुसूदन बगड़िया** राहुल बाग, माई नदी के पास, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९८९३१५८६००	**श्री मोहन दास अग्रवाल** मेसर्स - श्री राम फूड प्रोडक्ट ५८, इंडस्ट्रियल एस्टेट, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९८२६१४६४८१
डॉ. बनवारी लाल जाजोदिया विक्रम टावर, सपना संगीता रोड, इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९३००५६९४७१	**श्री गोविंद चमड़िया** ज्वाला चक्की, हनुमानगंज कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९९०७३७३७३१	**श्री कमल सोमानी** राहुल बाग, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१५१८३४	**श्री मधुसूदन बजाज** शास्त्री कॉलोनी, राजीव गांधी वार्ड, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५४७७५०८	**श्री मोहन लाल बजाज** मेसर्स - बजाज इंटरप्राइजेज हनुमानगंज, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१५७२७३
श्री बासु टिबड़ेवाल बिचौली मर्दाना, इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९४८०८२७०००	**श्री गोविंद दास अग्रवाल** २७, इंडस्ट्रियल एरिया, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१५७४५३	**श्री करण बजाज (सी.ए.)** मित्र विहार कॉलोनी, आचार्य विनोबा भावे वार्ड कटनी, मध्य प्रदेश मो. ७०००६९५४६४	**श्री मधुसूदन अग्रवाल** शांति नगर, श्रीनगर एक्सटेंशन खजराना रोड, इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९४२५०२७७३५७	**श्री मुरलीधर बजाज** शास्त्री कॉलोनी, राजीव गांधी वार्ड, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ८७७०८७२१५०
श्री दीपक सरावगी मालवीयगंज, कटनी मध्य प्रदेश मो. ९८२७२२७००५	**श्री गोविंद प्रसाद गोयनका** जवाहर चौक, रुई बाजार कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१६०६०७	**श्री किशन गोपाल पारसरामपुरिया** ९८, एम.टी. क्लॉथ मार्केट इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९३०३२३९३८३	**श्री महेंद्र कुमार सरावगी** दबे कॉलोनी, कटनी मध्य प्रदेश मो. ७२२२९७६६२५	**श्री नंदकिशोर खेड़िया** मेसर्स - जयश्री बजाज शहडोल, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१८०८२८
श्री दीपक सरावगी शारदा मंदिर के पास, बुरहार, शहडोल, मध्य प्रदेश मो. ७०००८७१९९१	**श्री हरीश कुमार जैन (दुग्गड़)** मेसर्स - राजश्री मार्केटिंग रघुनाथगंज, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१५३४०६	**श्रीमती कृष्णा गुप्ता** ब्रजेश्वरी एक्सटेंशन, राजेन्द्र धारकर मार्ग, पिपलियाहाना, इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९९९३५१९१८७	**श्री महेश शर्मा** १९३, गुरु नानक वार्ड हीरागंज, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९६९१२००८३२	**श्री नंदकिशोर जैन** १२९, शांति निकेतन इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९७१३०००७७८
श्री दीपक सरावगी हनुमानगंज, घंटाघर, कटनी मध्य प्रदेश मो. ९४२५१५४०८६	**श्रीमती हेमलता सरावगी** घंटाघर रोड, हनुमानगंज वार्ड, मुरवारा, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५८६०७२७	**श्री कृष्ण कुमार जाजोदिया** श्रीराम चैंबर, १२, अग्रवाल नगर, मेन रोड, इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९४२५०५७३१७	**श्री मंगतूराम बजाज** गर्ग चौराहा, हनुमानगंज वार्ड, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१६२६२०	**श्री नारायण बजाज** विनोबा भावे वार्ड, गायत्री मंदिर के पास, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१६११७०
श्री ध्रुव महेश्वरी गणेश चौक, महारानी लक्ष्मीबाई वार्ड, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ७०८९५७५७५७	**श्री जगदीश प्रसाद शर्मा** गुरु नानक वार्ड, कश्मीर हार्डवेयर गाली, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ६२६००१७४३०	**श्री कृष्ण कुमार शर्मा** हनुमानगंज, रघुनाथगंज वार्ड, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१५७५८९	**श्री मनीष अग्रवाल** सराफा बाजार, कटनी मध्य प्रदेश मो. ८१०९३७०४५६	**श्री नारायण दास अग्रवाल** मेसर्स-फर्स्ट क्राई, अशोक कॉलोनी, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९८९३१०९३१३
श्री दिलीप अग्रवाल वार्ड नंबर- २५, नियर हाउसिंग बोर्ड शहडोल, मध्य प्रदेश	**श्री जय स्वामी** दुबे कॉलोनी, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ७९८७९०१२२२	**श्री कृष्ण मुरारी अग्रवाल** ४, इंडस्ट्रियल एरिया कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९८२६१९३९३७	**श्री मनीष अग्रवाल** मालवीयगंज वार्ड, कमानिया गेट गली, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९८२६१११०४४	**श्री नारायण दास गट्टानी** जबलपुर रोड, बड़गांव कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१६११३४
श्री गौरव पारीक २२१,बजरंग नगर, इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९१७९१९२९००	**श्री जिनेंद्र कुमार सरावगी** दुबे कॉलोनी, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९७५२८६४२२०	**श्री ललित रुईया** ४/४, मनोरमागंज, गीता भवन रोड, इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९९३५६१०४९९	**श्री मनीष गट्टानी** रघुनाथगंज, घंटाघर, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९३००५०५५७७	**श्री नरेंद्र कुमार सोमानी** शहनाई रेजीडेंसी, २, कनाडिया रोड, इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९३०२४९४९६२

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य

श्री नरेश कुमार गोलछा मेसर्स - संपतलाल एंड संस मेन रोड, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९८२७०७६७२४	**श्री पंकज कुमार अग्रवाल** श्री दुर्गा वेयरहाउस, ट्रांसपोर्ट नगर, पुरैनी, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५२५५१९३	**श्री प्रकाश कुमार बजाज** बसंत विहार कॉलोनी, खिरहनी कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५४६५९७१	**श्री रघुनंदन गोयल** दुबे कॉलोनी, मेन रोड कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१५७५७४	**श्री राम रतन पायल** संत नगर, वेस्ट जगमोहन दास वार्ड, मुरवारा, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१५७४१८
श्री नरेश कुमार सिंघल एम.आर. इंटरनेशनल होटल शहडोल, मध्य प्रदेश मो. ७९७४७१७८५८	**श्री पंकज कुमार अग्रवाल** मेसर्स - अग्रवाल ब्रदर्स कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२४७५५००२	**श्री प्रकाश सरावगी** मालवीयगंज, वार्ड नंबर- २१ नई बस्ती, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१५७२२८	**श्री राहुल शर्मा** १९३, गुरु नानक वार्ड, हीरागंज, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९५८९९९९८२२	**श्री रमेश कुमार भगोरिया** राव कॉलोनी के पास, सिविल लाइन, शहडोल, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१८३०२२
श्री नरेश मोदी १, उद्योग नगर पाल्दा, नेमावर रोड, इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९४२५०६०७६२	**श्री पंकज बजाज** मेसर्स – वेल्डेक्स इंडिया, इंदिरा गांधी वार्ड, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९१११०१८०००	**श्री प्रकाश सिंघानिया** राजीव गांधी वार्ड, बरही रोड कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९८२७०७१६३७	**श्री राजकुमार सरावगी** अतिराज भवन, वार्ड नंबर- ९ बुरहार, शहडोल, मध्य प्रदेश मो. ८९८९५७५७५७	**श्री राम गोपाल स्वामी** दुबे कॉलोनी, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९१३१७५७७८५
श्री नरेश पोद्दार राहल बाग, कटनी मध्य प्रदेश मो. ६२६५९०२१५७	**श्री पवन कुमार जाजोदिया** ३, गोकुलदास कंपाउंड, नारायण भवन, शीलनाथ कैंप, इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९३०३२३७८३८	**श्री प्रमोद बजाज** रघुनाथगंज, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५४६५९७२	**श्री राज कुमार सरावगी** राजस्थान भवन मार्केट, हनुमानगंज, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५४१२६३०	**श्री रंजन अग्रवाल** १३बी, मनोरमागंज इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९८९३०१६१६७
श्री नवीन सरावगी स्टेशन रोड, शहडोल मध्य प्रदेश मो. ९४२५०२१५६६	**श्री पवन कुमार सरावगी** हनुमानगंज, रामलीला मैदान घंटाघर, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१५३४८५	**श्री प्रशांत अग्रवाल** ५९, इंडस्ट्रियल एरिया, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१५४१५९	**डॉ. राजीव बजाज** मेसर्स - कन्हैया हॉस्पिटल बरही रोड, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१५३९५९	**श्रीमती रश्मि सरावगी** हनुमानगंज वार्ड कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५८६०७२७
श्री नयन बजाज नई बस्ती, हनुमानगंज कटनी, मध्य प्रदेश मो. ७००००१३४८०	**श्री पवन कुमार सुरेखा** महात्मा गांधी वार्ड, गांधीगंज मुरवारा, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५३२५३६६	**श्री प्रसून बजाज** सत्यनारायण मंदिर के पास कटनी, मध्य प्रदेश मो. ७४४०४००२०२	**श्री राजीव चमड़िया (सी.ए.)** मेसर्स - चमड़िया एंड एसोसिएटेड हनमानगंज, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१५७४८५	**श्रीमती रेखा गोयंका** बाबू वंशरूप वार्ड - २९ बड़गांव, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९३०२२९९६९६
श्री नीलमणि सिंघानिया राजीव गांधी वार्ड, कटनी मध्य प्रदेश मो. ९४२५१५७४२३	**श्री प्रभु दयाल सेक्सरिया** संवेर रोड इंडस्ट्रियल एरिया, इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९८२७०२६९३४	**श्री प्रवीण मुरारका** १५-१६, देवास नाका, इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९३०२१०१९५२	**श्री राजीव सराफ** मेसर्स- सराफ ट्रेनिंग कंपनी, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५४१०९८५	**श्रीमती रितु बगड़िया** समददिया सिटी, माधव नगर, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ७९९९०१४१५८
श्री नीरज गट्टानी गर्ग चौराहा, घंटाघर रोड, हनुमानगंज, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९८९३१०९१००	**श्री प्रदीप बजाज** वार्ड नंबर २५, सुभाष वार्ड मुरवारा, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९८९३२१४००८	**श्री प्रवीण कुमार बजाज** कन्हैया हॉस्पिटल के पास कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१५१२८४	**श्री राजेंद्र मित्तल** किला मैदान, इंडस्ट्रियल एस्टेट लक्ष्मीबाई नगर, इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९८२६०४१११९	**श्री रोहित गुप्ता** विजयनगर, इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९४२५४३०४०५
श्री नीरज गोयल मेसर्स – ए.जे. एंटरप्राइजेज, अशोक कॉलोनी, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ७०००६९२७७५	**श्री प्रदीप कुमार मित्तल** ११/१२, डॉन मार्केट, जबलपुर रोड, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१५३९७१	**श्री प्रियांशु सरावगी** वार्ड नंबर- २२, मुरवारा कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१५३४८५	**श्री राजेश थरड** २१२-२१३, संजना पार्क, बिचोली मरधाना रोड, इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९८२६२३७०४१	**श्री रौनक हरलालका** माधव नगर रोड, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१५१५५१
श्री नितेश बजाज भगवती चौक, हीरागंज कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९९७७२७५५९९	**श्री प्रहलाद बजाज** मेसर्स-स्पर्श मल्टीस्पेशलिस्ट हॉस्पिटल हीरागंज, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ८६९२८५६५७९	**श्री राधेश्याम भगेरिया** चंद्रशेखर आजाद वार्ड कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१८१६५१	**श्री राजीव अग्रवाल** ६/३, ओल्ड पलासिया इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९३०२१०४५४२	**श्री सचिन पुरोहित** दुबे कॉलोनी, रफी अहमद किदवई वार्ड, बरही रोड, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९८९३१०९१६८
श्री ओम प्रकाश पसारी तिरुपति, यशवंत निवास रोड, इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९८९३२४२५८०	**श्री प्रहलाद गट्टानी** जबलपुर, बड़गांव, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१६२५१४	**श्री राधे श्याम गट्टानी** मेसर्स- श्री लीला साड़ी संसार सुभाष वार्ड, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१५६५७३	**श्री राजकुमार रामगढ़िया** ३, वाई.एन. रोड, इंदौर मध्य प्रदेश मो. ९८२७०३५२९९	**श्री संपत गट्टानी** मित्र विहार कॉलोनी, बरही रोड, आचार्य विनोबा भावे वार्ड, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१६२६६७
श्री पंकज अग्रवाल द्वारका सिटी, कटनी मध्य प्रदेश मो. ९४२५४११९६१	**श्री प्रजेश कुमार हलेन** १८२/२ छोटी खजरानी, ए.बी. रोड, इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९८२६०४५१३४	**श्री राधेश्याम शर्मा** ८बी साउथ तुकोगंज इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९३०३२६४०३२	**डॉ. रामगोपाल बजाज** वैभव आई हॉस्पिटल, नई बस्ती, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९९९३९९९३५५	**श्री संदीप कुमार सुरेका** मालवियागंज, ४५१/२ गजानन टॉकीज मार्ग कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९८९३१६६६२३

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य

श्री संदीप अग्रवाल (पारसरामपुरिया) स्टारलिट टावर, २९, वाई. एन. रोड, इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९९९३०८८८६०	**श्री शरद कुमार हलेन** १८२/१, छोटी खजरानी, तोरण गार्डन, इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९४२५०५८४४७	**श्री सुनील कुमार तक** ११०, विक्रम टावर, सोनी सेंटर सपना संगीता रोड, इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९८२७०२५५८२	**श्री विजय सिंघानिया** रामलीला मैदान, हनुमानगंज कटनी, मध्य प्रदेश मो. ८०८५४९४९३१	**श्री अभय राज कोठारी** शास्त्री रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५१२१५४६
श्री संजय अग्रवाल सिंघाई कॉलोनी, बरही रोड कटनी, मध्य प्रदेश मो. ८८३९०४४४८४	**श्री शशांक चांडक** आजाद चौक वार्ड, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९३४०५३८३८६	**श्री सूरज कुमार डालमिया** मेसर्स - डालमिया टिंबर्स शहडोल, मध्य प्रदेश मो. ९०९८०३९७५१	**श्री विकास कुमार अग्रवाल** द्वारका सिटी, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९३०२०५१०८५	**श्री अभिषेक जैन** द्वारा - यूनिवर्सल एजेंसीज देरगांव, गोलाघाट, असम मो. ९७०६०७२८००
श्री संजय अग्रवाल रामलीला मैदान, गोल बाजार, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ८३४९६२४३७६	**श्री शीतल पोद्दार** श्री रामचंद्र नगर न्यू हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी शहडोल, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१८२६४७	**श्री सुरेंद्र कुमार सरावगी** दुबे कॉलोनी, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५८५८८९७	**श्री विकाश कुमार बगड़िया** समदडिया सिटी, माधव नगर कटनी, मध्य प्रदेश मो. ७९९९४१६२५५	**श्री अभिषेक केजरीवाल** मेसर्स - अंकित इलेक्ट्रिकल्स फैंसी बाज़ार, गुवाहाटी, असम मो. ९८६४०६१३८३
श्री संजय बजाज ९९, वसंत विहार कॉलोनी आचार्य विनोबा भावे, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ६२६४४६२२६२	**श्री श्याम मित्तल** कपड़ा बाजार, रघुनाथगंज कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९८२७५७४६११	**श्री सुरेश कुमार अग्रवाल** पुरैनी रेजिडेंसी, दुबे कॉलोनी कटनी, मध्य प्रदेश मो. ७९९९३४५९२५	**श्री विमल कुमार सरावगी** घंटाघर, हनुमानगंज कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९३०२६४०७०२	**श्री अभिषेक कुमार शर्मा** मेसर्स - प्रशांत स्टील, चापागुड़ी रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९८६४०३६६३३
श्री संजय खंडेलवाल गोविंद देव मार्केट, सिल्वर टॉकीज, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१५६६०८	**श्री श्याम सुंदर टिबड़ेवाल** मेसर्स - श्याम डेकोरेशन घंटाघर, हनुमानगंज कटनी, मध्य प्रदेश	**श्री सुरेश कुमार अग्रवाल** मेसर्स - सुरेश ऑयल मिल हनुमानगंज, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१५३४७९	**श्री विनय रूंगटा** महात्मा गांधी वार्ड, घंटाघर, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५४१२६११	**श्री अजय अग्रवाल** जागी रोड, मोरीगांव, असम मो. ९४३५०६४६५३
श्री संजय कुमार मित्तल ११/१२ डॉन मार्केट, जबलपुर रोड, बड़गांव, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५३२४८१६	**श्री सोमेश माहेश्वरी** नई बस्ती, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९३००७२६७७८	**श्री सुरेश कुमार खंडेलिया** सब्जी मंडी के पास, सोहागपुर, शहडोल, मध्य प्रदेश	**श्री विनोद लोहिया** १८, कंचन बाग, ४०२, प्रिंस रीजेंसी, इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९४२५०८१५५५	**श्री अजय जैन** मेसर्स - अरिहंत हार्डवेयर जागी रोड, मोरीगाँव, असम मो. ९४३५१६४०९६
श्री संजय सरावगी मेसर्स- सरावगी ऑटो पार्ट्स मिशन चौक, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९८२६४८१००९	**श्री सुमित गोयंका** जवाहर चौक, रुई बाजार कटनी, मध्य प्रदेश मो. ७०००३९४०२८	**श्री सुशील कुमार सिंघल (सी.ए.)** न्यू हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, शहडोल, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१८३२००	**श्री विशाल भूतिया** मित्तल एनक्लेव, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९०३९१५६३९१	**श्री अजय जाजोदिया** नवरंग संघ क्लब के सामने चौकिडिंगी, डिब्रूगढ़, असम मो. ९९५४४८००९८
श्री संजय शर्मा सिल्वर टॉकीज रोड, हनुमानगंज, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ८८३९८२३८४५	**श्री सुभाष चंद गुप्ता** बुरहार रोड, सोहागपुर शहडोल, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१८ ०७६०	**श्री तनुज बजाज** रवि अहमद कॉलोनी कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१६११६९	**श्री विष्णु गोयल** मेसर्स - ग्लोबल हेराल्ड न्यूज़ ए.बी. रोड, इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९८२६०४६३२३	**श्री अजय मालपानी** मेसर्स - माहेश्वरी हार्डवेयर एन.टी. रोड, लखीमपुर, असम मो. ९४३५०८९४१३
श्री सतीश कुमार बजाज मेसर्स - सतीश ट्रेडर्स हनुमानगंज, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ८३४९६६२७२७	**श्री सुभाष गोयल** सपना संगीता रोड, इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९८२६०२६६८२	**श्री तुलसीदास बजाज** रफी अहमद किदवई वार्ड कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१६६११६९	**श्री विष्णु कुमार केडिया** गायत्री मंदिर, शहडोल, मध्य प्रदेश मो. ९४०६७७५७२१	**श्री अजय पटवारी** सोनारी पट्टी, ओल्ड ए.टी. रोड, दुमदुमा, तिनसुकिया, असम मो. ८४८६०४१५१०
श्री सत्यनारायण सरावगी मिर्जापुर रोड, राम मनोहर लोहिया वार्ड, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९८९३११३८११	**श्री सुबोध कुमार शर्मा** पन्ना मोड़ तिराना, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५४१२८७३	**श्री उमेश सिंघानिया** बांसी ट्रेड सेंटर, इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९३०२५४२१२१	**श्री विश्वा दर्शन गौड़** ९०१, लाल बहादुर शास्त्री वार्ड, कुठला, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९९८१०९८७६२	**श्री अजीत कुमार कोठारी** लोहिया मार्केट, हैबरगाँव नगाँव, असम मो. ९८६४१६२२२३
श्री शैलेंद्र मित्तल ४८-४९, छत्रपति नगर एयरपोर्ट रोड, इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९००९००६००१	**श्री सुधीर बंका** १०२, मंगलम रेजिडेंसी, ९३, श्रीनगर मेन, इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९३०००२८२८६	**श्री विजय गोयनका (सी.ए.)** २४/५, पारसी मोहल्ला छावनी, इंदौर, मध्य प्रदेश मो. ९८२६३९०७७६	**श्री विवेक अग्रवाल** मेसर्स- वेंकट राम मिल, वार्ड नंबर- ११, शहडोल, मध्य प्रदेश मो. ९५७०६९३४०१	**श्री अजीत जैन** मेसर्स - कृष्णा राइस मिल पगलाथान, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५१२०६७९
श्री शरद कुमार बजाज सोमनाथ मंदिर के सामने, दुबे कॉलोनी, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ८३१९९६०२९९	**श्री सुनील कुमार अग्रवाल** राजीव गांधी वार्ड नंबर- १३ शास्त्री कॉलोनी, कटनी, मध्य प्रदेश	**श्री विजय गोखरू (जैन)** दादाधाम कॉलोनी, कटनी, मध्य प्रदेश मो. ९४२५१५३९८६	**श्री यश अग्रवाल** ३५०, इंद्रपुरी कॉलोनी, इंदौर मध्य प्रदेश मो. ९४०६९३३३४८	**श्री अजीत जैन (सोगानी)** द्वारा - महावीर सोगानी बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५०२१७०६

RUPA®
FRONTLINE
YEH STYLE KA
MAMLA HAI!
SCAN & EXPLORE
Toll-free No.: 1800 1235 001
www.rupaonlinestore.com
Follow Us:
We are also available at:
amazon | Flipkart | JioMart

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2024-2026
Date of Publication - 30th March, 2026
RNI Regd. No. 2866/1968

www.genus.in

Genus
energizing lives

Making society
smarter, more sustainable and liveable
with our End-to-End Smart Metering,
Power-Back & Solar Solutions

SPL-3, RIICO Industrial Area, Sitapura, Tonk Road, Jaipur-302022,
(Raj.), INDIA T. +91-141-7102400/500
metering_exports@genus.in, metering@genus.in

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com